छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 26 ■ अम्बिकापुर, बुधवार 14 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

कस्टम मिलिंग आदेश का उल्लंघन, भौतिक सत्यापन में धान की मात्रा कम मिली

संयुक्त टीम ने जांच में पाई गड़बड़ी, दो राइस मिलरों ने किया दंडनीय अपराध

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में जिले के समितियों एवं उपार्जन केन्द्रों में अवैध धान की खपत रोकने के उद्देश्य से जिले के सभी राइस मिलों का सघन भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। इसी क्रम में भौतिक सत्यापन के दौरान धान की मात्रा कम पाए जाने पर दो राइस मिलों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार 06 जनवरी को राजेश राइस मिल (एमए 394724) खोडरी, उदयपुर में खाद्य अधिकारी एवं जिला विपणन अधिकारी द्वारा जांच किया गया। जांच के समय मिल संचालक मयंक अग्रवाल उपस्थित थे। भौतिक सत्यापन में 4370 नग बोरा तथा टापा में 1400 नग बोरा धान (प्रति बोरा 40 किलोग्राम) कुल 5770 बोरी, वजन 2308 क्विंटल धान पाया गया। जांच में यह पाया गया कि मिल द्वारा सत्यापन की तिथि तक कुल 5050 क्विंटल धान (12625 बोरी) का उठाव किया जा चुका था। इस प्रकार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में उठाए गए धान के सत्यापन में 6855 बोरा धान (2742 क्विंटल) कम पाया गया। वहीं गत वर्ष 2024-25 के लिए एफसीआई हेतु तैयार 5220 क्विंटल चावल मिल परिसर में प्लास्टिक बोरी एवं ढाला के रूप में पाया गया। इसके अतिरिक्त मिल के पीछे निर्माणाधीन गोदाम में बाहर से खरीदा गया लगभग 1200 क्विंटल चावल भी रखा हुआ पाया गया।

इसी प्रकार 08 जनवरी को सिद्धिविनायक राइस मिल, दरिमा, अंबिकापुर की संयुक्त जांच की गई। जांच के समय मिल संचालक संजय कुमार अग्रवाल उपस्थित थे। भौतिक सत्यापन में 17250 नग बोरा धान (40 किलोग्राम प्रति बोरा) एवं चावल में 1447 क्विंटल (धान मात्रा 2160 क्विंटल, 5400 नग बोरा) पाया गया। इस प्रकार कुल 22650 बोरी धान (9060 क्विंटल) भौतिक रूप से उपलब्ध पाया गया। जांच में पाया गया कि मिल द्वारा सत्यापन की तिथि तक कुल 12320 क्विंटल धान का उठाव किया जा चुका था, जो कि 30800 बोरी के बराबर है। इस प्रकार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में उठाए गए धान के सत्यापन में 8150 नग बोरा धान (3260 क्विंटल) कम पाया गया। भौतिक सत्यापन के दौरान स्टॉक से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज मिल संचालक द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया। भौतिक सत्यापन में धान की कमी पाए जाने पर संबंधित राइस मिलों द्वारा छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 की कंडिका 4 (3), 6 (1), 6 (3), 9 एवं 12 का स्पष्ट उल्लंघन पाया गया है, जो कि आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। उक्त प्रकरणों में पंचनामा तैयार कर संबंधित राइस मिलरों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी और जांच कार्रवाई जारी रहेगी।

मवेशी चोरों को रनपुरखुर्द बस्ती से घेराबंदी करके गिरफ्तार की पुलिस

चार मवेशियों के साथ 07 अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार, बलेनो कार व पिकअप वाहन जप्त

■ टहलने निकले एक व्यक्ति ने मवेशियों के साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार करते देखा और पुलिस को दी सूचना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना कोतवाली एवं साइबर सेल पुलिस टीम द्वारा मवेशी चोरों के विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए 07 मवेशी चोरों को पुलिस ने घेराबंदी करके गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 04 मवेशी, 12 हजार 300 रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त बलेनो कार एवं पिकअप वाहन जप्त करने में पुलिस सफल हुई है। आरोपी खुले मे विचरण कर रहे मवेशियों को निशाना बनाते थे और चार पाहिया वाहनों में पकड़कर ले जाते थे। आरोपियों द्वारा मवेशियों की तस्करी करके गुमला झारखंड में बिक्री किया जाता था। जानकारी के मुताबिक अंकित तिवारी निवासी चांदनी चौक घुटरापारा ने थाना कोतवाली में लिखित आवेदन पेश करके अवगत कराया था कि 13 जनवरी को सुबह करीब 05 बजे वह घर से निकल कर टहल रहा था, इस दौरान खैरबार रोड में नहर किनारे नीले रंग की कार कमांक जेएच 24 डी 8465 व पिकअप क्रमांक जेएच 01 ईएक्स 4982 में सवार 06-07 व्यक्ति गाय व बछड़ों को रस्सी से बांधकर पिकअप में लोड करते नजर आए। जब वह उक्त व्यक्तियों से मवेशियों के संबंध में पूछताछ किया, और मवेशी चोरी करके ले जाने का संदेह होने पर वह अपने घर से मोटरसायकल लेकर कार सवार और पिकअप में लोड गाय बछड़ों का पीछा करने लगा। इस दौरान उक्त कार और पिकअप जिसमें गाय, बछड़ों को लोड करके रखे थे, रनपुर बस्ती के आगे जंगल में मुख्य मार्ग से अंदर खड़ी नजा आई। पिकअप में चार मवेशी लोड़ थे। इसकी जानकारी वह पुलिस को दिया। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में आरोपियों के विरुद्ध धारा 303(2) बी.एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध करके पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी। पुलिस टीम घटनास्थल का निरीक्षण करके आरोपी वाहन व चालकों के तलाश में जुटी और ग्राम रनपुरखुर्द बस्ती में घेराबंदी करके कार व पिकअप वाहन के साथ 07 व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया। पिकअप में 04 मवेशी लोड पाए गए। मौके पर पूछताछ में आरोपी अपना नाम पता व घटना के संबंध में किसी प्रकार की जानकारी देने के बजाय टाल-मटोल कर रहे थे। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को वाहन के साथ थाना लाया और मामले में धारा 4, 6, 10 छत्तीसगढ़ कृषक परीक्षण अधिनियम 2004, पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11 जोड़कर न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय में पेश किया है। अग्रिम जांच, विवेचना जारी है।

इन आरोपियों को गिरफ्तार की पुलिस

मो. अकरम अंसारी पिता कमरूद्दीन अंसारी 30 साल, निवासी ढौठा टोली थाना माडर जिला रॉची झारखण्ड, असलम खान पिता मुमताज खान 20 साल, इरबाज खान पिता स्व. सिराज खान 20 साल, अमजद खान पिता स्व. जब्बार खान 23 साल, तीनों निवासी सिकरी थाना जारी जिला गुमला झारखण्ड, शाहरूख अंसारी पिता सकबुल अंसारी 20 साल, फिदाउल अंसारी पिता स्तब अंसारी 20 साल, अब्बु सहाब अंसारी पिता नजमुल अंसारी 26 साल, सभी निवासी लोहनजरा थाना पुसद जिला गुमला झारखण्ड। आरोपियों के द्वारा अपने-अपने कथन में चोरी किए गए मवेशियों को गुमला झारखण्ड में बिक्री करना बताया।

कार्रवाई में ये रहे शामिल

कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली अंबिकापुर शशिकांत सिन्हा, प्रभारी साइबर सेल सहायक उपनिरीक्षक अजित कुमार मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, विकास सिन्हा, जयदीप सिंह, आरक्षक मनीष सिंह, राहुल केरकेट्टा, अमन पुरी सक्रिय रहे।

रोड बने तभी महोत्सव सजे

मैनपाट-तातापानी महोत्सव में तन-मन-धन अर्पण करने वाली सरकार पहले सड़क महोत्सव मनाए

■ समाजसेवी कैलाश मिश्रा ने अपने समर्थकों के साथ तख्ती उठाकर सरकार को दिखाया आईना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर की खराब सड़कों को लेकर आए दिन प्रदर्शन हो रहे हैं, लेकिन इस पर पैबंद लगाने की प्रक्रिया गाहे-बगाहे चल रही है। नए सिरे से निर्माण की ओर जनप्रतिनिधियों का ध्यान नहीं है। संभाग भर में सड़कों की हालत खस्ता है, इधर शासन-प्रशासन तातापानी महोत्सव व मैनपाट महोत्सव की तैयारी में जुट गया है। इसे लेकर लोग समय-समय पर अपने-अपने तरीके से आक्रोश जताते नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश मिश्रा के नेतृत्व में लोगों ने शहर के घड़ी चौक पर सड़कों की मरम्मत व निर्माण की मांग को लेकर मंगलवार को शहर के घड़ी चौक में प्रदर्शन करते हुए कहा कि बरसात के बाद सड़कों के निर्माण व मरम्मत की बात कही गई थी, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सरकार पहले सड़क महोत्सव मनाए, फिर तातापानी और मैनपाट महोत्सव मनाए। काफी संख्या में नागरिक हाथों में बैनर लेकर इस पहल में शामिल हुए। इनका कहना है कि वे मैनपाट एवं तातापानी महोत्सव का विरोध नहीं कर रहे, विरोध खस्ताहाल सड़कों की अनदेखी का किया जा रहा है। कैलाश मिश्रा ने कहा कि इससे जिले में व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और आवागमन सुविधा पर प्रभाव पड़ रहा है। आज तक शहर के मुख्य मार्ग देवीगंज रोड और सदर रोड को भी सुव्यवस्थित और सुगम नहीं बनाया जा सका है। बिलासपुर चौक से बिलासपुर मार्ग तथा अंबेडकर चौक से बनारस मार्ग पर डिवाइडर सहित सड़क चौड़ीकरण का कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया है। बजट में जिन प्रमुख सड़कों को डिवाइडर सहित फोरलेन बनाने की घोषणा की गई थी, उनके लिए न तो पर्याप्त वित्तीय प्रावधान किया गया और न ही कार्य प्रारंभ हुआ। सरकार को जर्जर सड़कों की तत्काल मरम्मत तथा बजट में हुई घोषणा के अनुरूप नई सड़कों के शीघ्र निर्माण का बीड़ा उठाना चाहिए। अंबिकापुर मुख्यालय सहित पूरे जिले में सड़कों की हालत अत्यंत खराब है, आमजन लंबे समय से परेशान हैं। तातापानी और मैनपाट महोत्सव के लिए तन-मन-धन अर्पण करने वाली सरकार को सड़क महोत्सव की ओर ध्यान देना चाहिए, ताकि सड़कों की बदहाली बनने वाली दुर्घटनाओं और जाम की समस्या से लोग मुक्त हों सकें।

ऋण राशि आहरण संबंधी शिकायत की जांच हेतु टीम गठित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित केरजू के तत्कालीन प्रबंधक स्व. दिनेश गुप्ता एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित पेटला के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के विरूद्ध 05 गांव केरजू, कुनमेरा, ढोढांगाव, बंशीपुर एवं हरदीसांड़ के 131 किसानों द्वारा उनके बिना सहमति, बिना पास बुक, बिना आहरण पर्ची के ऋण राशि आहरण करने की शिकायत की जांच हेतु कलेक्टर अजीत वसंत ने जांच दल का गठन किया है। इसमें अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सीतापुर राम सिंह ठाकुर अध्यक्ष होंगे। लीड बैंक मैनेजर अंबिकापुर दिपेन्द्र यादव, कार्यालय कोषालय अधिकारी के सहायक लेखा अधिकारी मनोज शर्मा, जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित बैंक के प्रभारी मुख्य लेखापाल आनंद सिंह एवं कार्यालय उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं के वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक दीपक कुमार पटेल सदस्य होंगे। जांच दल द्वारा शिकायत की तथ्यात्मक जांच कर जांच प्रतिवेदन 03 दिवस के भीतर कलेक्टर सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

विभागीय परीक्षा का आयोजन 27 जनवरी से 03 फरवरी तक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। विभागीय परीक्षा माह जनवरी 2026 का आयोजन 27 जनवरी से 3 फरवरी तक परीक्षा केन्द्र शासकीय बहुउद्देशीय सीनियर सेकेण्डरी विद्यालय के कक्ष क्रमांक 04 में किया गया है। विभागीय परीक्षा माह में भाग लेने वाले अधिकारी निर्धारित तिथि व नियत स्थान पर विभागीय परीक्षा में उपस्थित हो सकते हैं।

रक्तदाताओं के रक्त की कालाबाजारी रोकने निजी ब्लड बैंकों की होगी निगरानी

सरगुजा कलेक्टर के निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ ने जारी किए निर्देश

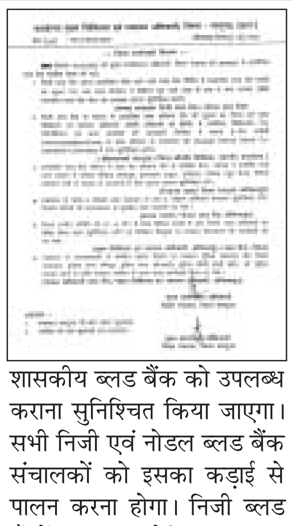

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत की अध्यक्षता में पूर्व में ब्लड बैंक से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) एवं रेडक्रॉस द्वारा रक्त की कालाबाजारी को लेकर उठाए गए सवाल को कलेक्टर सरगुजा ने गंभीरता से लिया था और उनके निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जारी किए गए निर्देश के अनुसार निजी ब्लड बैंक द्वारा आयोजित किए जाने वाले रक्तदान शिविर की पूर्व सूचना शासकीय ब्लड बैंक इकाई को देना अनिवार्य होगा। साथ ही रक्तदान के दौरान एकत्रित विभिन्न रक्त समूहों का न्यूनतम 20 प्रतिशत भाग शासकीय ब्लड बैंक को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा। सभी निजी एवं नोडल ब्लड बैंक संचालकों को इसका कड़ाई से पालन करना होगा। निजी ब्लड बैंकों द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर की जानकारी कम से कम दो दिवस पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला औषधि निरीक्षक को लिखित या ई-मेल के माध्यम से देना अनिवार्य किया गया है। इसके अतिरिक्त यह जानकारी सरगुजा जिला ब्लड कोआर्डिनेशन समिति व्हाट्सएप ग्रुप में भी साझा की जाएगी। रेडक्रॉस इकाई जिला सरगुजा को शासकीय ब्लड बैंक परिसर में बैनर, फ्लेक्स एवं सोशल मीडिया के माध्यम से आम नागरिकों को रक्तदान शिविरों की जानकारी देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। रक्तदान से पूर्व दो आवश्यक परीक्षण तथा रक्तदान के बाद 5 परीक्षण अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आपात स्थिति में मरीजों को सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराया जा सके। जिला स्तरीय समिति प्रत्येक 15 दिन में रैंडम निरीक्षण कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजेगी।

आईएमए ने उठाया सराहनीय कदम=डॉ. अर्पण

रक्तदान की कालाबाजारी से संबंधित सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस सहायता केंद्र एवं संबंधित थानों को सूचित करके सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 24 घंटे चालू रहेगा। किसी भी समय उक्त मामले को लेकर शिकायत की जा सकेगी। इस निर्देश को लेकर आईएमए के सचिव डॉ. अर्पण सिंह ने कहा कि आईएमए की पहल समाज के लिए उठाया गया सराहनीय कदम है। इससे जरूरतमंद लोगों को फायदा होगा। रक्तदान की कालाबाजारी को लेकर जो भी शिकायतें सामने आ रही थी वह दूर होगी।

जिला साक्षरता मिशन ने प्रख्यात साहित्यकार भगत सिंह विहंस का किया सम्मान

साक्षरता गीत व मतदाता जागरूकता हेतु लिखे गए स्वीप गीत की सराहना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। साक्षरता मिशन प्राधिकरण सरगुजा द्वारा शहर के विख्यात साहित्यकार सरदार भगत सिंह विहंस का आत्मीय सम्मान उनके निज निवास पर किया गया। इस मौके पर साक्षरता मिशन के विभित्र पदाधिकारी एवं श्री विहंस के परिवार के सदस्य उपस्थित थे। यह सम्मान श्री विहंस द्वारा रचित साक्षरता गीत तथा मतदाता जागरूकता हेतु लिखे गए स्वीप गीत की सराहना तथा उत्कृष्ट रचना के लिए किया गया। साक्षरता गीत द्वारा जन सामान्य में जन चेतना का विकास करने हेतु विशेष योगदान देने के समक्ष जिला साक्षरता मिशन द्वारा यह सम्मान दिया गया। सन 1953 में राजस्थान के भरतपुर में जन्मे भगत सिंह विहंस ने शासकीय पीजी कॉलेज से विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की और अंबिकापुर आईटीआई से इलेक्ट्रिकल्स में डिप्लोमा प्राप्त किया। सरगुजा जिले के अंबिकापुर शहर में एक व्यापारी के रूप में प्रतिष्ठित भगत सिंह विहंस ने साहित्य के क्षेत्र में भी बहुमूल्य योगदान दिया है। उनकी ऑडियो सीरीज सांझ सवेरा के नाम से रिकॉर्ड हुई तथा उन्होंने विभिन्न पुस्तकों की रचना की। इनमें प्रमुख पुस्तक पीपल की छांव, सपनों का भारत तथा खंडकाव्य सृष्टि है। अंबिकापुर आकाशवाणी में उनकी विभिन्न कविताओं तथा कहानियों का प्रसारण होता रहा है। इसके अलावा स्थानीय पत्र-पत्रिकाओं में भी उनकी विभित्र रचनाएं प्रकाशित होती रही हैं। बेटी बचाओ मुहिम अंतर्गत इन्होंने सही रिवाज नामक कविता लिखी, जिससे बेटियों को समानता पर लाने की एक पहल की गई। साहित्य के क्षेत्र में इनकी ख्याति सरगुजा विश्वविद्यालय के कुल गीत की रचना के पश्चात और अधिक बढ़ गई, इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उन्हें सम्मानित करके प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। छत्तीसगढ़ पदार्पण समारोह आगमन के समय इन्हें छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान प्राप्त हुआ। श्री विहंस सतत रूप से साहित्य के क्षेत्र में अपना योगदान प्रदान कर रहे हैं और भारतेंदु साहित्य कला समिति के आजीवन सदस्य हैं। इनके द्वारा यू-ट्यूब पर भी विहंस सीरीज का प्रसारण किया जा रहा है, जिसमें इनकी विभिन्न रचनाओं को दर्शकों तक पहुंचाया जा रहा है। भगत सिंह विहंस की पत्नी सतनाम कौर चावला भी सामाजिक क्षेत्र में एक अग्रणी समाज सेविका तथा सामाजिक उत्थान में एक प्रेरणास्रोत हैं। वे विभिन्न सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों द्वारा समानता का प्रचार करने में अग्रणी रही हैं।

ठेला लगाना है तो हर महीने 5 हजार दो, इन्कार करने से नाराज हुए रेंजर

थाने में फर्जी एफआईआर दर्ज कराने का आरोप, सवाल..क्या गरीब होना अपराध है?

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। सरकार जहां गरीबों को स्वरोजगार से जोड़ने और फुटपाथी कारोबारियों को सपोर्ट देने की बात करती है, वहीं बलरामपुर जिले के रघुनाथनगर वन परिक्षेत्र का मामला सिस्टम के काले चेहरे को बेनकाब करता है। आरोप है कि चना बेचकर परिवार पालने वाले गरीब ठेला व्यवसायियों से पांच हजार प्रति माह अवैध वसूली की मांग की गई, और रकम नहीं देने पर फर्जी एफआईआर दर्ज कर उन्हें अपराधी बना दिया गया। इसकी शिकायत पीड़ितों ने सरगुजा संभाग के वन संरक्षक से की है। ग्राम पंचायत हरिगवां के पीड़ितों के अनुसार 07 जनवरी को रघुनाथनगर वन परिक्षेत्र के रेंजर शिवनाथ ठाकुर ने सड़क किनारे लगे ठेलों पर पहुंचकर साफ शब्दों में कहा यहां ठेला लगाना है तो हर महीने पांच हजार देना होगा। गरीब परिवारों ने जब असमर्थता जताई तो रेंजर नाराज होकर लौट गए। कुछ ही घंटे बाद रेंजर करीब पांच वनकर्मियों के साथ दोबारा पहुंचे और अतिक्रमण का आरोप लगाते हुए ठेला हटाने का दबाव बनाने लगे। पीड़ितों का कहना है कि उन्होंने तत्काल ठेला हटाने की बात कही, इसके बावजूद गाली-गलौज, धमकी और जबरन वाहन में बैठाकर जेल भेजने की धमकी दी गई। इस दौरान मारपीट का भी आरोप लगाया गया है, जिस पर मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बीच-बचाव किया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अगले ही दिन पीड़ितों के खिलाफ मारपीट और वर्दी फाड़ने जैसी गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करा दी गई। एफआईआर में जिन वनकर्मियों का नाम है, उनमें से एक घटना के समय वर्दी में मौजूद ही नहीं था, यह दावा पीड़ित कर रहे हैं। पूरे घटनाक्रम का वीडियो फुटेज उनके पास मौजूद है, जिसे पेन ड्राइव में संलग्न कर उच्च अधिकारियों को सौंपने की बात कही गई है।

रेंजर के खिलाफ ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रामीणों का कहना है अगर चना बेचने वाला पांच हजार महीना साहब को दे देता, तो आज उसके ऊपर एफआईआर नहीं होती। यह मामला सिर्फ एक एफआईआर का नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और गरीबों को कुचलने की मानसिकता का प्रतीक बन गया है। अब सवाल यह है कि क्या उच्च अधिकारी इस कथित फर्जी एफआईआर को निरस्त कर दोषी वन अधिकारियों पर कार्रवाई करेंगे या फिर गरीबों की आवाज एक बार फिर फाइलों में दबकर रह जाएगी?

मुख्यमंत्री आज करेंगे तातापानी महोत्सव का शुभारंभ, 211 विकास कार्यों का करेंगे शिलान्यास व लोकार्पण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संक्रांति परब के अवसर पर तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री 667 करोड़ 57 लाख से अधिक की राशि के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे। जिसमें 71 विकास कार्यों का शिलान्यास तथा 140 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तातापानी महोत्सव में सम्पन्न होने वाले मुख्यमंत्री सामुहिक कन्या विवाह योजनान्तर्गत 200 जोंडों के विवाह समारोह में सम्मिलित होंगे तथा नव दम्पतियों को आशीर्वाद देंगे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा विधानसभा रामानुजगंज में 810.47 लाख रुपये की लागत से गणेश मोड से बरदर तक पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण कार्य, 535.73 लाख रुपये की लागत से कपिलदेवपुर चौक से चलगली पहुंच मार्ग निर्माण कार्य, 275.78 लाख रुपये की लागत से उचरूवा तिमुहान से गुरसिन्धु कन्हर नदी देवस्थल तक पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण कार्य, 121.16 लाख रुपये की लागत से ग्राम चंदौरा में हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन का निर्माण कार्य, 465.84 लाख रुपये की लागत से बलरामपुर में शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय भवन निर्माण कार्य, 211.80 लाख रुपये की लागत से शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य, 270.14 लाख रुपये की लागत से ओरंगा से सुरंगपान मार्ग पर कुकुरदरिया नाला पर पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य, 270.21 लाख रुपये की लागत से पीपरपान से कुण्डपान मार्ग पर पांगन नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य, 364.66 लाख रुपये की लागत से लोधा से धरमी मार्ग पर कुरसा नदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य, 535.84 लाख रुपये की लागत से बलरामपुर चांदो मार्ग पर चनान नदी में उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य, 389.90 लाख रुपये की लागत से स्याही-सनावल मार्ग पर घुमर नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य, 401.74 लाख रुपये की लागत से स्याही-सनावल मार्ग पर कटरा नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य, 347.75 लाख रुपये की लागत से बलरामपुर में अपूर्ण टाऊन हॉल का शेष निमार्ण कार्य, 546.41 लाख रुपये की लागत से अपूर्ण स्टेडियम बलरामपुर का शेष निर्माण कार्य, 367.04 लाख रुपये की लागत से सिवरेज ट्रिटमेंट प्लांट बलरामपुर निमार्ण कार्य, 2406 लाख रुपये की लागत से बलरामपुर में प्रयास आवासीय विद्यालय भवन का निर्माण कार्य, 258.01 लाख रुपये की लागत से बलरामपुर में 100 सीटर आदिवासी क्रीडा परिसर एवं 1314.53 लाख रुपये की लागत से कासीसोत व्यपवर्तन योजना का नहर विस्तार कार्य का भूमिपूजन एवं शिलान्यास करेंगे। 1065.94 लाख रुपये की लागत से रिंग रोड़ रामानुजगंज का मजबूतीकरण कार्य, 215.64 लाख रुपये की लागत से महाराजगंज-पचावल मार्ग का मजबूतीकरण कार्य, 268.77 लाख रुपये की लागत से रामानुजगंज में जिला जेल रोड़ पहुंच मार्ग का निमार्ण कार्य, 381.40 लाख रुपये की लागत से रामानुजगंज नगर पालिका परिषद के अंतर्गत विभिन्न सड़कों का मजबूतीकरण कार्य, 504.90 लाख रुपये की लागत से बाहरचुरा से भीतरचुरा मार्ग पर पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण कार्य, 646.17 लाख रुपये की लागत से विजयनगर-पिपरौल मार्ग पर पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य, 501.95 लाख रुपये की लागत से बगरा मोड से इंद्रपुर मार्ग पर पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण कार्य, 2158.01 लाख रुपये की लागत से केरता से बच्छराजकुंवर मार्ग पर पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण कार्य, 75.23 लाख रुपये की लागत से सलवाही में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य, 294.72 लाख रुपये की लागत से डिंडो से डूमरपान मार्ग में छाताकरम नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निमार्ण कार्य, 624.56 लाख रुपये की लागत से भेलवाडीह से जमुआंडाड मार्ग में चनान नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य, 536.70 लाख रुपये की लागत से धारानगर से हरीलेटा मार्ग पर बिछली नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य, 6032.66 लाख रुपये की लागत से ग्राम भैंसामुण्डा, घाघरा, पुटसुरा, लिलौटी, महाराजगंज, भवानीपुर, मझौली, सुर्रा, पिण्ड्रा, नवाडीहखुर्द, जवाहरनगर, लुरघुट्टा, तातापानी, अमडण्डा, लेफरी, लिबरा, जामवंतपुर, सुभाषनगर, कंचननगर, लुरगी, धनपुरी, रामचन्द्रपुर, तामेश्वरनगर, चेरवाडीह, विशुनपुर, धौली, झारा, कुरलुडीह, भंवरमाल एवं कुशफर में एकल ग्राम योजना के तहत निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

इसी प्रकार विधानसभा सामरी में 1796.68 लाख रुपये की लागत से महुआडीह से भरतपुर के बीच सड़क निर्माण कार्य, 708.65 लाख रुपये की लागत से बलरामपुर-चांदो-सामरी मार्ग का मजबूतीकरण कार्य, 1096.09 लाख रुपये की लागत से चंपा से बादा मार्ग का निर्माण कार्य, 186.53 लाख रुपये की लागत से बरियों में 50 सीटर बालक छात्रावास भवन का निर्माण कार्य, 186.53 लाख रुपये की लागत से सामरी में 50 सीटर बालक छात्रावास भवन का निर्माण कार्य, 275 लाख रुपये की लागत से धारानगर में 100 सीटर बालक छात्रावास भवन का निर्माण कार्य, 1002.54 लाख रुपये की लागत से मरकाडांड से नरसिंहपुर मार्ग में महान नदी में पुल निर्माण कार्य, 623.93 लाख रुपये की लागत से त्रिपुरी-जशपुर मार्ग में लावा नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य, 465.50 लाख रुपये की लागत से पियारटोली-बरवाही मार्ग में उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य, 539.81 लाख रुपये की लागत से जिगड़ी-माकड मार्ग पर कोदो नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य, 474.51 लाख रुपये की लागत से प्रतापपुर सेमरसोत मार्ग पर बंजारी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निमार्ण कार्य, 480.97 लाख रुपये की लागत से प्रतापपुर-सेमरसोत मार्ग पर बांकी नदी में उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य, 283.73 लाख रुपये की लागत से कुरडीह से उपरखांड़ मार्ग में सूखा नाला पर पुल निर्माण, 503.73 लाख रुपये की लागत से चटनीया से झलबासा मार्ग पर सूखा नाला में पुल निर्माण, 686.78 लाख रुपये की लागत से पुंदाग से पीपरढाब मार्ग में सूखा नाला पर पुल निर्माण, 233.15 लाख रुपये की लागत से पुंदाग से भुताही मार्ग में सूखा नाला पर पुल निर्माण कार्य, 477.58 लाख रुपये की लागत से मगाजी से कंवरपारा मार्ग पर सूखा नाला पर पुल निर्माण, 491.28 लाख रुपये की लागत से मगाजी से चंपानगर मार्ग पर सूखा नाला पर पुल निर्माण, 435.55 लाख रुपये की लागत से चटनिया से झलबासा मार्ग पर पुल निर्माण कार्य, 351.36 लाख रुपये की लागत से अमटपानी से पेंडारकोना मार्ग पर पुल निर्माण कार्य, 385.92 लाख रुपये की लागत से मगाजी से कंवरपारा मार्ग पर चटनिया नाला पर पुल निर्माण, 292.73 लाख रुपये की लागत से गौतमपुर से परसापानी सड़क पर पुल निर्माण कार्य, 245.64 लाख रुपये की लागत से कुरडीह से धोबराडांड मार्ग पर पुल निर्माण, 262.16 लाख रुपये की लागत से कुरडीह से अमटपानी उपरखांड मार्ग पर पुल निर्माण कार्य, 313.09 लाख रुपये की लागत से चटनिया से डेम्बूखार मार्ग पर पुल निर्माण कार्य, 313.38 लाख रुपये की लागत से घटगांव चौक से आराकुन्दी मार्ग में सती नाला पर पुल निर्माण कार्य, 890.27 लाख रुपये की लागत से कोथली से समुन्दरी मार्ग पर पुल निर्माण कार्य, 379.45 लाख रुपये की लागत से अमेरा से गिधकोना मार्ग पर पुल निर्माण कार्य, 809.66 लाख रुपये की लागत से खैराडीह से धसनी कोरवापारा मार्ग पर पुल निर्माण कार्य, 360.33 लाख रुपये की लागत से पटना भंडारपारा से नावापारा मार्ग पर पुल निर्माण कार्य, 430.29 लाख रुपये की लागत से पटना भंडारपारा से नावापारा मार्ग पर पुल निर्माण कार्य का भूमिपूजन/शिलान्यास करेंगे। 5215 लाख रुपये की लागत से जशपुर-आस्ता-कुसमी मार्ग का उन्नयन एवं मजबूतीकरण कार्य, 3849.53 लाख रुपये की लागत से ग्राम धन्जी, गौतमपुर, करकली-ई, भोजपुर, कुरडीह, क्योझर, मदगुरी, नवाडीहकला, साहपुर, परसा, बलरामपुर, परसवारखुर्द, खोखनिया, कोटडीह, नरसिंहपुर, ठरकी, भैरवपुर, जरहाडीह, ललीतपुर, मुरका, इंदाकोना एवं कमारी में एकल ग्राम योजना के अंतर्गत निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

विधानसभा प्रतापपुर के अंतर्गत 877.68 लाख रुपये की लागत से भगवानपुर से मेंढारी मार्ग का निर्माण कार्य, 1224.44 लाख रुपये की लागत से आसनडीह से अटल चौक तक मार्ग का निर्माण कार्य, 821.15 लाख रुपये की लागत से रमेशपुर से शंकरपुर मार्ग का निर्माण कार्य, 566.09 लाख रुपये की लागत से महेवा से धनजारा तक सड़क निर्माण कार्य, 117.80 लाख रुपये की लागत से शासकीय दुर्गावती महाविद्यालय वाड्रफनगर में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य, 465.84-465.84 लाख रुपये की लागत से रघुनाथनगर एवं रनहत में शासकीय महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य, 448.73 लाख रुपये की लागत से स्याही-सनावल मार्ग पर लिदो नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य का भूमिपूजन/शिलान्यास करेंगे। 1150.61 लाख रुपये की लागत से प्रतापपुर से नवाधाकी मार्ग का निर्माण कार्य, 2703.30 लाख रुपये की लागत से फुलीडूमर-चेरा-सलवाही मार्ग का निर्माण कार्य, 2960.68 लाख रुपये की लागत से कमलपुर से चपोता तक सड़क निर्माण कार्य, 924.80 लाख रुपये की लागत से बलंगी से उत्तरप्रदेश सीमा तक पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण कार्य, 2113.69 लाख रुपये की लागत से ग्राम बसंतपुर, चलगली, बेलिया, पडौली, धनवार, कैलाशपुर, इकनारा, मिथिलापुर, कोटी, गोंदला, सुरहुल में एकल ग्राम योजना के तहत निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

बैंक खाते से फर्जी तरीके से रकम निकासी का आरोप

अमेजन के नाम पर अज्ञात लेन-देन, थाने में शिकायत दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसबीआई बैंक खाते से फर्जी तरीके से रकम निकासी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से राशि आहरण किए जाने का आरोप लगाते हुए बिश्रामपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बिश्रामपुर निवासी कॉलरी कर्मी चरनजीत सिंह, पिता जोगेंद्र सिंह, जिनका स्टेट बैंक ऑफ इंडिया बिश्रामपुर शाखा में बचत खाता है।कॉलरी कर्मी ने थाना प्रभारी को दिए आवेदन में बताया कि उनके खाते से बिना उनकी जानकारी के रकम निकल गई है।

पीड़ित ने बताया कि एप के माध्यम से खाते की जांच करने पर यह सामने आया कि 11 जनवरी 2026 को क्रमशः 3047 एवं 844.87 रु, वहीं 12 जनवरी 2026 को 2110.72 रुपये की निकासी की गई। इस प्रकार कुल 6002.59 रुपये का लेन-देन उनके खाते से हुआ, जो स्टेटमेंट में अमेजन के नाम से दर्शाया गया है।

चरनजीत सिंह का कहना है कि उन्होंने इस प्रकार का कोई ऑनलाइन लेन-देन नहीं किया है और यह पूरी तरह से फर्जी एवं अज्ञात व्यक्तियों द्वारा किया गया साइबर फ्रॉड प्रतीत होता है। उन्होंने मामले में उचित जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित द्वारा थाने में आवेदन दिए जाने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। साइबर ठगी की आशंका को देखते हुए बैंक स्टेटमेंट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

श्री शक्ति फाउंडेशन द्वारा सदभावना खेल प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। श्री शक्ति फाउंडेशन द्वारा गांधी स्टेडियम ग्रांउड में 11 जनवरी रविवार को सदभावना खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम छोटे बच्चों के लिय रखा गया था।

संस्था के अध्यक्ष शिव कुमार यादव बताया सदभावना खेल का मुख्य उद्देश्य शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ आपसी सौहार्द, एकता, सम्मान और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है, जहाँ बच्चे खिलाड़ी जीत-हार से ऊपर उठकर खेल भावना, सहयोग और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ भाग लेते हैं, जिससे बच्चों और समाज दोनों में सकारात्मक बदलाव आते हैं। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर महसूर स्पोकेन इंग्लिश ट्रेनर आंचल यादव उपस्थित थी। कार्यक्रम में बच्चों के लिय दौड़, जलेबी दौड़, कुर्सी दौड़, बास्केट बाल, आंख में पट्टी बांधकर बॉल सेंटर में रखना आदि खेल शामिल था जिसमें 212 बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में जीतने वाले बच्चों के साथ-साथ प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को मैडल, ट्रॉफी प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम में संस्था की ओर से उपाध्यक्ष धर्मेश पाल, सचिव संगीता यादव, अमित, अर्चना, फुलमेत, प्रकाश, अखिल, रूपेंद्र, श्रेया, अंजना, सुगंती, अक्षत आदि तथा महिला नगर सैनिक की उपस्थिति एवं उनकी देखरेख में सारे खेल अच्छे से सम्पन्न हुए।

गैरेज का ताला तोड़ एक लाख से अधिक का सामान ले भागे चोर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बिश्रामपुर थाना क्षेत्र के कुमदा कॉलोनी स्थित गैरेज दुकान का ताला तोड़ अज्ञात चोर दुकान में रखे गैरेज सहित किराना सामान चोरी कर भाग निकले।

घटना दो दिवस पूर्व 11 जनवरी के मध्यरात्रि की बताई गई है।दुकान संचालक नरेश कुमार ने पुलिस को आवेदन देकर बताया कि घटना दिवस को अज्ञात चोरों ने उसके दुकान में धावा बोलकर दुकान के भीतर रखे गैरेज और किराना सामान को चोरी कर लिया।घटना की जानकारी लगने के बाद उसने तत्काल बिश्रामपुर थाने में मामले की सूचना दर्ज कराई है।चोरी गए समानों की कीमत एक लाख से अधिक बताई गई है।

एनएच 43 पर युवक कांग्रेस का चक्काजाम, पांच सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। क्षेत्रीय जनसमस्याओं को लेकर युवक कांग्रेस ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर चक्काजाम किया। भटगांव विधानसभा युवक कांग्रेस अध्यक्ष विक्की समद्दार के नेतृत्व में ग्राम पंचायत मदनपुर चौदहा पेट्रोल पंप के समीप सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतरकर प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कलेक्टर सूरजपुर के नाम एसडीएम शिवानी जायसवाल को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। चक्काजाम के कारण कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित रहा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन लंबे समय से जनहित से जुड़े गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज कर रहा है, जिससे आम जनता, किसान और राहगीर परेशान हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि ग्राम पंचायत सिलफिली में संचालित पिलखा क्षीर संयंत्र डेढ़ वर्षों से बंद पड़ा है, जिससे सैकड़ों किसानों, कर्मचारियों और आपूर्तिकर्ताओं को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। संयंत्र पर करीब 90 लाख रुपए का भुगतान किसानों व कर्मचारियों का लंबित है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि बकाया राशि का तत्काल भुगतान कराया जाए। उन्होंने कहा कि सिलफिली से अजबनगर तक एनएच 43 की हालत बेहद खराब हो चुकी है। गड्ढों और उड़ती धूल के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। राहगीरों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है, वहीं सड़क किनारे रहने वाले लोग धूल-प्रदूषण से त्रस्त हैं। ग्राम पंचायत संजयनगर स्थित पिलखा ढाबा के संचालक द्वारा एनएच 43 के अंधे मोड़ पर सड़क से सटाकर बनाए गए अवैध शेड को भी गंभीर खतरा बताया गया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इस अंधे मोड़ पर दृश्य बाधित होने से कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और कुछ राहगीरों की जान भी जा चुकी है। चैतन्य पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट पर शासकीय भूमि खसरा नंबर 191 पर अवैध कब्जा कर भवन निर्माण करने का आरोप लगाया गया। जांच में अवैध कब्जा सिद्ध हो चुका होने और कलेक्टर द्वारा अतिक्रमण हटाने का आदेश भी जारी करने के बावजूद आज तक भूमि मुक्त नहीं कराए जाने पर नाराजगी जताई गई। प्रदर्शनकारियों ने कमलपुर रेलवे साइडिंग को कोयला परिवहन के लिए पुनः शुरू करने का कड़ा विरोध किया गया। कहा गया कि इससे भारी वाहनों का दबाव बढ़ेगा, दुर्घटनाओं की आशंका, प्रदूषण और कृषि कार्यों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पूर्व में अदाणी समूह द्वारा कोयला परिवहन के दौरान सड़कों की हालत बदतर हो गई थी, जो आज तक सुधर नहीं सकी। इसलिए जनहित में कमलपुर साइडिंग को पुनः शुरू करने पर तत्काल रोक लगाई जाए। प्रदर्शन में कांग्रेस प्रदेश सह प्रभारी जरीता लैतफ्लांग, दानिश रफीक, कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशि सिंह, संजय डोसी, मेंहदी यादव, इस्माइल खान, जेपी श्रीवास्तव, कुंदन विश्वकर्मा, संजीत यादव, प्रिंस श्रीवास्तव, तपन सिकदार, विनय गुप्ता, कमलेश दुबे, संजीव सेठ्ठी, परमेश्वर राजवाड़े, अनहल, रुचि टोप्पो, आनंदी लकड़ा, भीमा सिंह पैकरा, गोविंदा पावले, अभय लकड़ा, अभय खैराती, आकाश मंडल, दिलीप यादव, अशोक यादव, मनोज सारथी, नंदलाल पंडो, अभिषेक सारथी, धनुक धरीबासोर, अजीत बेक, रतन माली, ओमप्रकाश कुशवाहा, बुध्दी कुशवाहा, अश्वनी कुशवाहा, मुन्ना सिंह, श्रीराम व अन्य उपस्थित रहे।

राइस मिल से धान खरीदकर समितियों में खपाने का खुलासा, दो धान लोड ट्रेक्टर जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सूरजपुर जिले के ग्राम दत्तिमा से लगे लक्ष्मणपुर स्थित श्याम श्री एग्रो राइस मिल में खरीफ वर्ष में धान अफरातफरी को लेकर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। जांच में खुलासा हुआ कि राइस मिल संचालक द्वारा समितियों से सीएमआर के नाम पर धान उठाव कर उसी धान को किसानों के नाम पर बिचौलियों के माध्यम से समितियों में खपाया जा रहा था, जिससे शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाई जा रही थी। मामले की सूचना मिलने पर सोमवार को कलेक्टर सूरजपुर के निर्देश पर खाद्य विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। इस दौरान पाया गया कि राइस मिल से धान लोड कर दो ट्रैक्टर रामनगर सेवा सहकारी समिति की ओर ले जाए जा रहे थे।

प्रशासनिक छापेमारी में बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर, राइस मिल सील

खाद्य विभाग ने ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 15 ए 1813 (120 बोरी) एवं सीजी 29 एजी 6431 (110 बोरी) को जप्त कर धान को रामनगर समिति प्रबंधक के सुपुर्द किया। जांच में यह भी सामने आया कि उक्त धान को शिवधनी जायसवाल (ग्राम झुमरपारा) एवं रामदेव सिंह (निवासी रामनगर) के नाम पर समिति में खपाने की योजना थी, जिनके टोकन पहले से कटे हुए थे।

ट्रैक्टर जप्ती के बाद खाद्य अमले ने श्याम श्री एग्रो राइस मिल, लक्ष्मणपुर पहुंचकर स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया, जिसमें 6765 बोरी (2706 क्विंटल) धान कम पाया गया। इसके बाद मिल परिसर में मौजूद लगभग साढ़े 29 हजार क्विंटल धान को जप्त करते हुए राइस मिल को सील कर दिया गया।

जिला खाद्य अधिकारी संदीप भगत ने बताया कि मामले में कस्टम मिलिंग एवं धान उपार्जन आदेश की सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण तैयार कर कलेक्टर न्यायालय में भेजा जा रहा है। इस कार्रवाई के बाद जिले में धान के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है।उक्त राइस मिल अंबिकापुर निवासी विनय अग्रवाल की बताई गई है।

सीएमआर के लिए उठाए धान की मिलिंग की जगह किसानों को रहे बेच

बताया जाता है कि राइस मिलरो द्वारा समितियों से धान का उठाव कस्टम मिलिंग के लिए किया जाता है लेकिन वास्तव में इस धान की मिलिंग न कर धान को ऐसे किसानों को कोचियों सहित समिति प्रबंधकों के माध्यम से बेच दिया जाता है जिनका रकबा अधिक है और उतनी मात्रा में धान उपजाया नहीं गया है।यही धान सरकारी दर पर समितियों में कम रकबा वाले किसानों के नाम पर खपाया जाता है । वही राइस मिलर यूपी बिहार से सस्ते दर पर चावल को मंगवाकर सीएमआर में जमा करते है इसमें उन्हें किसी प्रकार की अतिरिक्त व्यय या परेशानी नहीं होती है न मिलिंग का झंझट और न ही बिजली बिल,मजदूरी,पल्लेदारी सब कुछ सॉलिड बचत से राइस मिल संचालक मालामाल हैं।यही कारण है कि बड़ी मात्रा में हर वर्ष प्रदेश भर में नई राइस मिले खुल रही हैं।

फर्जी भुगतान घोटाला मामला : छह इंजीनियरिंग असिस्टेंट के खिलाफ दूसरी बार चार्जशीट जारी, जवाब तलब

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। फर्जी भुगतान और करोड़ों के कथित घोटाले से जुड़े मामले में विभागीय कार्रवाई तेज हो गई है। जांच के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाए जाने के बाद संबंधित विभाग द्वारा छह इंजीनियरिंग असिस्टेंट के खिलाफ दूसरी बार आरोप पत्र (चार्जशीट) जारी कर जवाब मांगा गया है।बता दें कि एसईसीएल बिश्रामपुर के सिविल विभाग में ठेकेदारों से मिलीभगत कर कंपनी के नियम कायदों के विपरीत बिना काम के अथवा निर्धारित स्टीमेट के बिना काम के करोड़ो के बोगस भुगतान कर फर्जीवाड़ा करने मामले में छह इंजीनियरिंग असिस्टेंट को कंपनी प्रबंधन ने दुबारा चार्जशीट देकर जवाब मांगा है।

सूत्रों के अनुसार इससे पहले भी इन्हीं इंजीनियरिंग असिस्टेंट को मामले में चार्जशीट जारी की गई थी, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने और जांच में नए तथ्यों के सामने आने के बाद विभाग ने दूसरी चार्जशीट थमाई है। आरोप है कि कार्यों के निष्पादन में नियमों को ताक पर रखकर फर्जी मस्टर रोल, गलत माप पुस्तिका और अपात्र भुगतान कर कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया।

बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला करोड़ों रुपये के भुगतान घोटाले से जुड़ा है, जिसमें विकास कार्यों की गुणवत्ता और वास्तविक क्रियान्वयन पर भी सवाल खड़े हुए हैं। विजलेंस जांच की रिपोर्ट के आधार पर उच्चाधिकारियों ने सख्त रुख अपनाते हुए दोबारा कार्रवाई की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि तय समय-सीमा के भीतर यदि आरोपों का संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया, तो संबंधित इंजीनियरिंग असिस्टेंट के विरुद्ध निलंबन सहित कड़ी विभागीय कार्रवाई की जा सकती है।

इस कार्रवाई को लेकर विभाग में हड़कंप की स्थिति है, वहीं मामले से जुड़े अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में मानी जा रही है। बिश्रामपुर प्रबंधन द्वारा यहां पदस्थ एक इंजीनियर अस्टिटेंट को चार्जशीट दिया है। जबकि तबादले के बाद भटगांव बैकुंठपुर सहित अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रहे इंजीनियरिंग असिस्टेंट फिरोज खान, बैकुंठपुर में पदस्थ जगरनाथ नंदी, मिथलेश सिन्हा, अखिलेश सिंह, सुरेश डिक्सेना, डी सिंह के नाम शामिल है जिन्हें संबंधित क्षेत्र के महाप्रबंधकों को चार्जशीट देने निर्देशित किया गया है।

रा.से.यो. के विशेष सात दिवसीय शिविर का ग्राम छिंदिया में भव्य समापन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर - शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना (रा.से.यो.) इकाई द्वारा आयोजित विशेष सात दिवसीय शिविर का ग्राम छिंदिया में बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ समापन हुआ।

समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि एवं सरपंच प्रतिनिधि सुरेश सिंह मरकाम रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के प्राचार्य पी.सी. सोनी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सरपंच अजय सिंह, शालेय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष यादवेंद्र दुबे, संकुल समन्वयक मनोज प्रजापति, पंच अमित सिंह, सचिव चैन साय, चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋषि शुक्ला, स्टाफ नर्स श्रीमती राजकुमारी गुप्ता, पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता तुलेश सिंह, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता शिखा सिंह, शिक्षक मुकेश सिंह, अंजू कँवर, विनीता सिंह, सहायक शिक्षक भारती मरकाम, सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंह मरावी सहित प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राएं, रा.से.यो. स्वयंसेवक तथा सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा स्वागत गीत एवं नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, वहीं पूर्व माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी। इस अवसर पर रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार शर्मा द्वारा सात दिवसीय शिविर का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रतिवेदन के अनुसार शिविर के दौरान ग्राम छिंदिया में स्वच्छता अभियान चलाकर पाउच, पन्नी एवं पॉलीथिन एकत्र कर उनका नष्टीकरण किया गया। सड़कों, गलियों एवं मोहल्लों की साफ-सफाई की गई। सार्वजनिक स्थलों पर 17 हैंडपंपों के सामने सोखता गड्ढा निर्मित किए गए तथा 16 कचरा पेटियों का निर्माण कर ग्रामीणों को उनका उपयोग करने हेतु जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त प्रतिदिन प्रातः योग एवं व्यायाम, स्वयंसेवकों के मोटिवेशन एवं करियर गाइडेंस हेतु बौद्धिक कक्षाएं, नारा लेखन, जागरूकता रैली, एनएसएस खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा सामूहिक चाय-नाश्ता एवं भोजन का आयोजन किया गया। शिविर को ग्रामवासियों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। विशिष्ट अतिथि डॉ. ऋषि शुक्ला ने युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को आत्मसात करने का संदेश दिया। यादवेंद्र दुबे ने संगठन की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए मातृभूमि एवं धर्म के प्रति समर्पण की भावना पर बल दिया। अध्यक्ष पी.सी. सोनी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना जीवनभर समाज सेवा की प्रेरणा देती है तथा व्यक्तित्व विकास इसका मुख्य उद्देश्य है। मुख्य अतिथि सुरेश सिंह मरकाम ने स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने ग्राम को सचमुच निर्मल ग्राम बनाने का कार्य किया है। समापन अवसर पर सभी स्वयंसेवकों को शिविर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन संकुल समन्वयक मनोज प्रजापति द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार शर्मा ने किया।

बार में विवाद के बाद बॉयफ्रेंड ने गर्लफ्रेंड के सिर पर मारी बोतल, 23 दिन बाद मौत...

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आजाद चौक इलाके के एक बीयर बार में 21 दिसंबर को युवती पर हुए जानलेवा हमले में 23 दिन तक संघर्ष करने के बाद उसकी मौत हो गई। घटना के बाद शहर में आक्रोश का माहौल है और परिजन आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मृतका की पहचान वेदिका सागर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी उसका बॉयफ्रेंड टी. सुनील राव उर्फ शीनू (28) है। दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। 21 दिसंबर को दोपहर करीब 3 बजे वेदिका और शीनू आजाद चौक स्थित जिलेट बीयर बार पहुंचे थे। दोनों ने खाना और शराब मंगवाई थी। बार में लगे उउळश कैमरों में दिखता है कि किसी बात पर वेदिका नाराज हुई और उसने शराब की बोतल उठाकर फिर वापस रख दी। इसी दौरान शीनू अचानक गुस्से में आ गया। गुस्से में आरोपी ने पहले वेदिका के सीने पर थप्पड़ मारा और फिर शराब की बोतल से उसके सिर पर लगातार तीन बार वार किया। हमले से वेदिका की आंख, होंठ और सिर पर गंभीर चोट आई, और खून बहने लगा। इसके बाद आरोपी ने उसके बाल पकड़कर जमीन पर पटक दिया। घटना का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह रहा कि हमला करने के बाद आरोपी ने खून से लथपथ हालत में पड़ी वेदिका को गले लगाया। कुछ देर वहीं खड़े रहने के बाद वह बार से फरार हो गया। वारदात के समय बार में मौजूद एक अन्य युवक भी उउळश फुटेज में नजर आया है। बार संचालक की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और वेदिका को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत गंभीर बनी रही। करीब 23 दिन तक जिंदगी से जूझने के बाद 12 जनवरी 2026 को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवती की मौत की खबर मिलते ही परिजन आजाद चौक थाना पहुंचे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोपी के खिलाफ हत्या की धारा लगाने की मांग की। इस मामले में सीएसपी ईशू अग्रवाल ने बताया कि 21 दिसंबर को बार में युवती पर हमला हुआ था। आरोपी पहले से ही जेल में है। युवती की मौत के बाद अब प्रकरण में धाराएं बढ़ाकर हत्या का अपराध जोड़ा जाएगा।

धान उपार्जन केन्द्रों की पारदर्शी व्यवस्था से किसानों को मिल रही बड़ी सुविधा

रायपुर।खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान सरगुजा जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था किसानों के लिए राहत लेकर आई है। डिजिटल प्रणाली के चलते किसानों को धान विक्रय में न सिर्फ समय की बचत हो रही है, बल्कि अनावश्यक परेशानी से भी मुक्ति मिली है। ग्राम पंचायत मेंड्राखुर्द के लघु सीमांत कृषक श्री त्रिभुवन राजवाड़े ने धान खरीदी व्यवस्था की सराहना करते हुए बताया कि उन्होंने इस वर्ष 108 क्विंटल धान विक्रय हेतु पंजीकृत कराया है। उन्होंने कहा कि किसान तुहंर टोकन ऐप की मदद से घर बैठे 247 टोकन कटाने की सुविधा उपलब्ध होने से उन्हें बार-बार समिति आने की जरूरत नहीं पड़ती। यह उनका दूसरा टोकन है, जिसके तहत उन्होंने 52.40 क्विंटल धान बेचा है। उपार्जन केंद्र पहुंचने पर किसानों को गेट पास, धान की नमी की त्वरित जांच, तथा बारदाने की तुरंत उपलब्धता मिल रही है, जिसके कारण धान विक्रय की प्रक्रिया तेजी से पूरी हो रही है और किसी प्रकार की देरी या कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ रहा।

अमेरिका ईरान इतिहास और भविष्य!

ईरान ,यूराल पर्वतमाला और हिंद महासागर के मध्य स्थित एक प्राकृतिक प्रवेश द्वार है ।लेकिन अभी इस द्वार के भीतर आग लगी हुई है ।इस आग के पीछे ईरान की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था माचिस है, तथा ईरान का पूर्व शाह परिवार और अमेरिका इसका ईंधन है ।निर्वासित शाह रजा पहलवी सत्ता और ट्रंप तेल चाहते है, और ईरान की स्थिति दोनो को ही अवसर उपलब्ध करा रही है।

अमेरिका, ब्रिटेन के कंधे में सवार हो कर तथा सीटो और सेटो सैन्य संधियो के माध्यम से दक्षिण पूर्व और मध्यएशिया में प्रवेश किया ।तब ब्रिटेन का लक्ष्य था पेट्रोल और अमेरिका का साम्यवाद प्रसार रोकना ।अब दोनो ही लक्ष्यों को अमेरिका ने हस्तगत कर लिया है। अमेरिका और ईरान का संबधों की जड़े बहुत ही जटिल है, इसलिए परिणाम भी सुगम नहीं रहे। अमेरिका ईरान संबधो का द्वार 1953 की उन घटनाओं में निहित है, जिसमें अमेरिका की गुप्तचर एजेंसी सी०आई०ए, ने ब्रिटेन के साथ मिलकर ईरान के निर्वाचित प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसादिघ को सत्ता से बेदखल कर दिया, क्योंकि उनकी नीति सोवियत संघ के निकट थी, और वे ईरान के तेल पर पश्चिम का प्रभाव कम करना चाहते थे ।मजेदार बात यह है कि 1953 में जब आइजनहावर और चर्चिल नें ईरान के प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसादिघ का तख्ता पलट किया उसी वर्ष विंस्टन चर्चिल को साहित्य का नोबेल पुरस्कार भी मिला ।अब ट्रंप को भी नोबेल पुरस्कारो से बहुत लगाव है, इसीलिए वे कभी जबरन अपने लिए नोबेल शांति पुरस्कार चाहते है, तो कभी षड़यत्रों और तख्तापलट के माध्यम से सफेदपोश, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश में बैठाते है, तो कभी वेनेजुएला के निर्वाचित राष्ट्राध्यक्ष का अपहरण कर ,नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित और विपक्ष की मारिया कोरिना मचाडो को वेनेजुएला का राष्ट्रपति बनाना चाहते है।

मोसादिघ को बेदखल कर अमेरिका ने शाह मु० रेजा पहलवी को ईरान का शासक बनाया यद्यपि 26 वर्षो बाद इस्लामिक क्रांति के बाद ईरान में शाह की सत्ता का पतन हो गया ।शाह कैंसर के इलाज के लिए अमेरिका चले गये और वही शरण ले ली ।यह घटना अमेरिका और पश्चिम के लिए लाभप्रद नहीं थी। शरणागत शाह विद्रोह के बीज रूप में अमेरिका के पास ही रह गया और आज ईरान इसका साकार रूप है।

1979 की धार्मिक क्रांति के बाद आयातुल्ला रूहोल्ला खुमैनी ने ईरान की बागडोर संभाली। यह धर्म नियंत्रित शासन प्रणाली थी, जो विलायत अल -फकी पर आधारित संवैधानिक मसौदा है, जिसमे आयातुल्लाह (सर्वोच्च धार्मिक नेता)के अधीन शोरा (ईरानी संसद) और राष्ट्रपति भी है ।खुमैनी को 1979 में टाइम्स पत्रिका द्वारा विश्व के शीर्ष प्रभावशाली व्यक्तियों मे शामिल किया था ।ईरानी क्रांति के दौरान चार नवंबर1979 को ईरान कट्टरपंथी छात्र समूह ने तेहरान स्थित अमेरिकदूतावास पर हमला कर 52लोगों को बंधक बना लिया।

खुमैनी ने ईरानी तेल कंपनियों का राष्ट्रीयकरण जिससे पश्चिम, और अमेरिका के हितो में विपरित प्रभाव पड़ा, जिसे वे सेटो की संधि के द्वारा से ईरान से अब तक प्राप्त करते रहे। ईरान की भौगलिक स्थिति और तेल भंडार ईरान को अमेरिका का चारागाह बनाती है। होरजुम जलडमरू जो फारस की खाड़ी के, ओमान की खाड़ी और अरब सागर को आपस में जोडता है ।तथा विश्व के लगभग 20% तेल का परिहवन इसी जल मार्ग से होता है। अमेरिका और ईरान के संबध 2018 के पूर्व तक सामान्य रहे ।वर्ष 2015 में अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और आयातुल्ला खामेनेई के मध्य परमाणु समझौता हुआ। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप इस समझौते को न्यूक्लीयर होलकास्ट कह इससे अलग हो गये थे ।इतना ही नहीं ईरान के अपुष्ट परमाणु कार्यक्रमों से असंतुष्ट हो तथा इजराइल ईरान तनाव का लाभ उठा कर 21जून2025 को ईरान के फोर्डो परमाणु केंद्र पर बम भी गिराया था। ईरान मे व्याप्त जन असंतोष ,बेरोजगारी ,महिला पांबदिया बुर्का प्रथा ,और खस्ताहाल रियाल और, विद्रहियों के हाथों खामनेई शासन का ध्वज उतार शाह के शासन का ध्वज टांग देना निःसंदेह ईरान मे धर्मनियंत्रित शासन और आयातुल्लाह खामेनेई के पतन के लक्षण प्रबल है।

अमेरिका की मजबूरियां?

अमेरिका का लोभ ही इसकी मुख्य मजबूरी है ।सोना, डालर, हथियार और तेल अमेरिका के मुख्य साधन है ,विशेषतः तेल के लिए कभी सद्दाम हुसैन को फांसी, तो कभी सीरिया के बसर अल-अशद का तख्ता पलटता है, तो कभी वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अपहरण करता है ।अभी ईरान के आंदोलन को भड़का रहा है। अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट के अनुसार अमेरिका का 80% तेल हल्का है, जबकि वेनेजुएला और खाडी देशो का कच्चा तेल भारी है। भारी तेल हल्के तेल से महंगा होता है। जबकि अमेरिका तेल रिफाइनरियां भारी तेल के हिसाब से बनी हुई है ।जिनके स्वरूप मे परिवर्तन करना एक कठिन प्रक्रिया है। जिसकी प्रतिपूर्ति अमेरिका युद्धो ,संधियों ,तख्ता पलट, और अपहरणों के द्वारा करता है।

संबधो का भविष्य

अमेरिका वह ईरान के संबधो की श्रृंखला बहुत ही जटिल, संघर्षपूर्ण रही है। इसलिए समस्त पहलूओ के द्दष्टिगत अमेरिका ईरान संबधो का भविष्य गैर टिकाऊ और विश्वासरहित होगा। हांलाकि आयातुल्ला खामेनेई के पास विकल्प है कि ट्रंप की मांगो को स्वीकार अपनी सत्ता बचा कर ईरान का तेल खो दे ? या सीरिया के बसर अल-असद ,या सद्दाम हुसैन अथवा निकोलस मादुरो की तरह गति का इंतजार करे।

(मनोज कुमार सिंह)
निज विचार

असम के राज्यपाल महामहिम लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मिले खैरवार समाज के प्रतिनिधि

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वाराणसी। अपेक्स बैंक सरगुजा के अध्यक्ष रामकिशुन सिंह के नेतृत्व में खैरवार समाज के प्रतिनिधियों ने आज वाराणसी में असम के राज्यपाल महामहिम लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की। समाज के प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राज्यपाल को एक ज्ञापन भी सौंपा जिसमें खैरवार समाज से जुड़े खेरवार तथा खरवार समाज को भी भारत सरकार के राजपत्र में शामिल कर प्रकाशित करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर खैरवार समाज के बुद्धदेव सिंह प्रांताध्यक्ष, मंगरू राम प्रदेश सचिव, जगन्नाथ सिंह तथा गाजीपुर से विनोद खरवार सहित समाज के अन्य प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

रिश्वतखोरी का आरोप, प्रभारी रेंजर ग्रामीण ने नहीं दिया रिश्वत तो बवाल,, शिकायत IG तक पहुँची फिर भी प्रशासन चुप क्यों

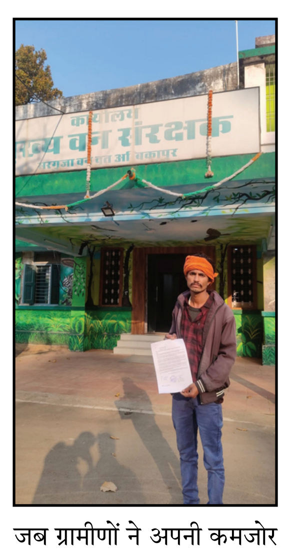

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर जिले के रघुनाथनगर वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम पण्डरी से वन विभाग को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों ने प्रभारी रेंजर शिवनाथ ठाकुर पर रिश्वत मांगने, धमकी देने, मारपीट कराने और बाद में फर्जी FIR दर्ज कराने जैसे संगीन आरोप लगाए हैं। मामले को लेकर ग्रामीणों ने सरगुजा रेंज के IG और मुख्य वन संरक्षक से लिखित शिकायत करते हुए पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है।

अतिक्रमण नोटिस के बीच बढ़ा विवाद

गौरतलब है कि रघुनाथनगर वन विभाग द्वारा हाल ही में 43 लोगों को अतिक्रमण हटाने का नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में तीन दिनों के भीतर वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। लेकिन तीन दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुआ .इसी बीच अब प्रभारी रेंजर पर लगे गंभीर आरोपों ने पूरे मामले को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि एक ओर विभाग सख्ती दिखा रहा है, वहीं दूसरी ओर अधिकारी पर भ्रष्टाचार और उत्पीड़न के आरोप लग रहे हैं।

चना ठेला लगाने के बदले 5 हजार रुपये की मांग का आरोप..

ग्रामीणों की शिकायत के अनुसार वे ग्राम पंचायत हरिगवां के निवासी हैं और ग्राम पंचायत पण्डरी क्षेत्र में सड़क किनारे ठेला लगाकर चना व अंडा बेचकर अपने परिवार का जीवन-यापन करते हैं। आरोप है कि 7 जनवरी को प्रभारी रेंजर शिवनाथ ठाकुर उनके ठेले के पास पहुंचे और कहा कि यदि यहां ठेला लगाना है तो प्रति माह 5 हजार रुपये देने होंगे। जब ग्रामीणों ने अपनी कमजोर आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए इतनी बड़ी राशि देने में असमर्थता जताई, तो रेंजर नाराज होकर वहां से चले गए।

रिश्वत नहीं देने पर कार्रवाई और हंगामा

ग्रामीणों का कहना है कि उसी दिन करीब दोपहर 12 बजे प्रभारी रेंजर शिवनाथ ठाकुर लगभग 5 वन कर्मचारियों के साथ दोबारा मौके पर पहुंचे और अतिक्रमण का हवाला देते हुए ठेला हटाने का आदेश दिया। ग्रामीणों ने तत्काल ठेला हटाने की बात कही, साथ ही यह भी निवेदन किया कि सड़क किनारे अन्य लोगों द्वारा किए गए स्थायी कब्जों पर भी समान कार्रवाई की जाए। आरोप है कि इसी बात पर रेंजर अत्यंत आक्रोशित हो गए और वन कर्मचारियों के साथ मिलकर गाली-गलौज करते हुए ग्रामीणों को जबरन वाहन में बैठाकर जेल भेजने की धमकी देने लगे।

ग्रामीणों के सामने वृद्ध पिता से मारपीट का आरोप

घटना के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग के कर्मचारियों ने उनके वृद्ध पिता के साथ मारपीट की और उन्हें जबरन वाहन में बैठाने का प्रयास किया। स्थिति बिगड़ती देख वहां मौजूद ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। इसके बाद ग्रामीणों ने अपना ठेला वहां से हटा लिया और कुछ समय बाद वन विभाग की टीम मौके से चली गई।

अगले दिन फर्जी FIR दर्ज कराने का आरोप

ग्रामीणों ने शिकायत में यह भी बताया कि घटना के अगले दिन उन्हें जानकारी मिली कि उनके खिलाफ थाने में फर्जी और निराधार FIR दर्ज करा दी गई है। आरोप है कि वन विभाग के कर्मचारी पीयूष पटेल द्वारा यह रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिसमें कहा गया कि ग्रामीणों ने उनके साथ मारपीट की और उनकी वर्दी फाड़ दी। जबकि ग्रामीणों का दावा है कि पीयूष पटेल घटना स्थल पर वर्दी में मौजूद ही नहीं थे, ऐसे में वर्दी फाड़ने का आरोप पूरी तरह झूठा और मनगढ़ंत है।

IG और मुख्य वन संरक्षक से शिकायत, आंदोलन की चेतावनी

मामले से आक्रोशित ग्रामीणों ने सरगुजा रेंज के IG (वन) और मुख्य वन संरक्षक को शिकायत सौंपते हुए प्रभारी रेंजर शिवनाथ ठाकुर सहित संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा है कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

वन विभाग की कार्यशैली पर उठे गंभीर सवाल

एक ओर जहां वन विभाग 43 लोगों को अतिक्रमण हटाने का नोटिस जारी कर सख्ती दिखा रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रभारी रेंजर पर रिश्वत मांगने, गरीब ठेला व्यवसायियों को धमकाने, मारपीट और फर्जी मुकदमे में फंसाने जैसे आरोप विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। अब यह देखना अहम होगा कि उच्च अधिकारी इस पूरे मामले में क्या रुख अपनाते हैं, क्या निष्पक्ष जांच होती है और क्या ग्राम पण्डरी के ग्रामीणों को वास्तव में न्याय मिल पाता है या नहीं।

प्रयोगशाला परिचारक भर्ती के बाद चतुर्थ श्रेणी के पदों की भर्ती प्रक्रिया तेज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन हैं। उच्च शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार विभाग में 880 विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन जारी की गई थी। इनमें प्रयोगशाला परिचारक के 430, भृत्य के 210, चौकीदार के 210 एवं स्वीपर के 30 पद शामिल हैं। भर्ती प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं दिशा-निदेशों के तहत की जा रही है। प्रयोगशाला परिचारक के 430 पदों हेतु छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जा चुका है तथा अनंतिम सूची भी जारी कर दी गई है, वहीं चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन की कार्यवाही संचालनालय में तेजी से किया जा रहा है। अन्य पदों भृत्य, चौकीदार एवं स्वीपर पर सीधी भर्ती हेतु परीक्षा आयोजन की जिम्मेदारी व्यापमं को सौंपी गई है साथ ही प्राप्त आवेदनों का त्रुटिरहित डिजिटल डाटा, व्यापमं को उपलब्ध कराने की सहमति प्राप्त कर ली गई है।

सम्पादकीय

अमेरिका का दूसरों के मामलों में दखल क्यों

जब आकांक्षाएं बदलती हैं तो इसका असर कहीं न कहीं दिखाई देता ही है। ऐसा ही काम अब दुनिया का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हर देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करते नजर आते हैं। हाल ही में टैरिफ से दुनिया में हलचल मचाने वाले ट्रंप युक्रेन, वेनेजुएला के बाद अब ईरान में भी हस्तक्षेप कर रहे हैं। हालांकि अमेरिका की शुरू से ही दूसरों के मामलों में टांग अड़ाने की आदत रही है। आखिर अमेरिका जैसे देश का दूसरे देशों के मामले में हस्तक्षेप कहां तक उचित है। वह भी तब, जब दुनिया में बदलाव की बयार चल रही हो। अब मामला ईरान का है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान का कहना है कि अमेरिका और इज़राइल ईरान में दंगे भड़काकर अराजकता और अव्यवस्था फैलाना चाहते हैं। उन्होंने ईरानियों से दंगाइयों और आतंकवादियों से दूरी बनाए रखने का आह्वान किया। बता दें कि ईरान में धार्मिक सत्ता को चुनौती देने वाले राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों को दो सप्ताह से अधिक समय हो चुका है। हिंसक प्रदर्शनों में अब तक 190 लोगों की जान जा चुकी है। ईरान के संसद अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका राष्ट्रपति ट्रम्प की धमकी के अनुसार इस्लामी गणराज्य पर हमला करता है, तो अमेरिकी सेना और इज़राइल उसके वैध लक्ष्य होंगे। ईरान का कहना है कि अमेरिका न सिर्फ अशांति एवं असुरक्षा का वातावरण बना रहा है, अपितु आतंकवाद और हिंसा भी भड़का रहा है। साथ ही, उसने यह भी आरोप लगाया कि ईरान में आर्थिक समस्याओं की बड़ी वजह अमेरिका द्वारा लगाए गए अवैध एवं अन्यायपूर्ण प्रतिबंध हैं। हालांकि अमेरिका का कहना है कि वह ईरान में मानवाधिकारों की रक्षा और परमाणु समझौते के पालन को सुनिश्चित करना चाहता है। ईरान का मानना है कि वह उसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है और अशांति फैला रहा है। अमेरिका एक वैश्विक शक्ति है और वह अपने हितों को बचाने के लिए दूसरों के मामलों में दखल देता है। बता दें कि ईरान में अमेरिका के दखल का इतिहास 1953 से शुरू होता है, जब अमेरिका ने ईरान के प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसादेघ की सरकार का तख्तापलट करवा दिया था। इसके बाद ईरान में शाह वंश का शासन स्थापित हुआ, जो अमेरिका के इशारों पर काम करता था। 1978 के बाद से अमेरिका की दुश्मनी ईरान के साथ ज्यादा बढ़ गई। ईरान को कंट्रोल करने के लिए 1979 के बाद से अमेरिका ने कई कवायद की, लेकिन उसे सफलता नहीं मिल पाई। आखिरी बार जून 2025 में जब अमेरिका ने ईरान पर हमला किया था, तो उस वक्त ईरान ने होर्मुज के नीचे बारूद बिछवा दिया। इसकी वजह से आनन-फानन में अमेरिका को सीजफायर करना पड़ा। अब ट्रंप नए सिरे से ईरान पर कंट्रोल हासिल करने की प्लानिंग में हैं। कहा यह भी जा रहा है कि ईरान की इकोनॉमी मुख्य रूप से ऑयल और नैचुरल गैस पर निर्भर है। ईरान के पास 208209 अरब बैरल तेल अभी भी है। ये दुनिया के कुल प्रमाणित तेल भंडार का 12% हिस्सा है। ईरान को सऊदी अरब और इजराइल का विरोधी माना जाता है। ये दोनों ही देश अमेरिका के करीबी हैं। अमेरिका की नजर ईरान के ऑयल और गैस रिजर्व पर है। अगर अमेरिका, ईरान पर कंट्रोल कर लेता है, तो दुनिया के व्यापार का 20% उसके कब्जे में आ जाएगा। अमेरिका की खास दिलचस्पी होर्मुज स्ट्रेट और फारस की खाड़ी को लेकर भी बताई जा रही है।

जयंती विशेष

शिवप्रकाश

स्वामी विवेकानंद कुशाग्र बुद्धि, युवा प्रणेता, शिक्षा उन्नायक, समाज सुधारक, धर्म प्रचारक एवं समरसता के प्रेरक जैसे गुणों से युक्त थे। 11 सितंबर 1893 के विश्व धर्म सभा के अपने भाषण के कारण विश्व प्रसिद्ध हो गए। भारत सरकार ने 1984 से स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस को "युवा दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय लिया। वे स्वतंत्रता आंदोलन के महान क्रांतिकारियों की प्रेरणा थे। घोर गुलामी के कालखंड में भी भारत के दायित्व के प्रति उन्होंने जो विश्वास प्रकट किया, उसको पूर्ण करने का कार्य वर्तमान एवं भावी पीढ़ी को करना है। जीवन की अल्पावधि में जो महान कार्य उनके द्वारा हुए, उनको पूर्णता प्रदान करने का संकल्प लेना उनके जन्मदिवस पर उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

स्वामी विवेकानंद के दिखाए मार्ग पर चलें

स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में हुआ था। भगवान शिव की कृपा स्वरूप वह प्रसिद्ध अधिवक्ता पिता विश्वास नाथ दत्त एवं माता भुवनेश्वरी देवी के परिवार में जन्मे थे। बचपन में उनको नरेन्द्रनाथ दत्त नाम मिला था। बाल्यकाल में उनको विले एवं नरेन के नाम से भी पुकारा जाता था। स्वामी रामकृष्ण परमहंस से दीक्षा लेने की बाद प्रारंभ में वह विविदिषानन्द तत्पश्चात वह विश्व भर में स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रसिद्ध हुए। वह कुशाग्र बुद्धि, युवा प्रणेता, शिक्षा उन्नायक, समाज सुधारक, धर्म प्रचारक एवं समरसता के प्रेरक जैसे गुणों से युक्त थे। युवा पीढ़ी में भारतीय स्वाभिमान को बढ़ाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। उनके आह्वान के कारण अंग्रेजी दासता से मुक्ति के लिए अनेक युवकों ने अपना संपूर्ण जीवन स्वतंत्रता के लिए दांव पर लगाया। स्वामी विवेकानंद 11 सितंबर 1893 के विश्व धर्म सभा के अपने भाषण के कारण विश्व प्रसिद्ध हो गए। भारत सरकार ने 1984 से स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस को "युवा दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय लिया।

क्रिस्टोफर कोलंबस के अमेरिका पहुंचने के 400 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शिकागो (अमेरिका) में विश्व धर्म सभा का आयोजन किया गया था। इसका उद्देश्य विगत 400 वर्षों में हुई भौतिक प्रगति को दिखाना एवं ईसाई धर्म का वैश्विक विस्तार एवं उसकी श्रेष्ठता को सिद्ध करना था। मिशिगन झील के चारों तरफ़ एक भव्य एवं विशाल प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया था। 494 किलोमीटर लम्बी झील पर लगी इस प्रदर्शनी को लाखों लोगों द्वारा देखा गया। इस आयोजन के महत्वपूर्ण कार्यक्रम धर्मसभा के अंतर्गत हुए स्वामी विवेकानंद के संक्षिप्त भाषण से भारत के धर्म, विचार एवं दर्शन के साथ-साथ भारतवासियों द्वारा संपूर्ण विश्व के प्रति किए गए व्यवहार का दर्शन संपूर्ण विश्व को हुआ। उनके सारगर्भित भाषण से हिंदू धर्म संपूर्ण विश्व में पुनः स्थापित हुआ। साथ ही स्वामी विवेकानंद भी संपूर्ण विश्व में प्रसिद्ध हो गए। अपने भाषण में उन्होंने हिंदू धर्म में वर्णित संपूर्ण विश्व को परिवार मानने की हमारी दृष्टि, सहिष्णुता ही नहीं सभी सत्य है एवं इस सत्य की यात्रा अपने-अपने मार्ग से करते हुए एक ही स्थान पर पहुंचते हैं तथा हिन्दू धर्म को सभी को स्वीकार कर शरण देने वाला हमारा व्यवहार यह उनके भाषण का सार था। इसको शिव महिमा स्तोत्र एवं गीता के मंत्र को गायन कर उन्होंने प्रतिस्थापित किया, जो आज भी संपूर्ण मानवता के लिए मार्गदर्शक हैं। संपूर्ण पृथ्वी के संसाधनों पर कब्जा करने के लिए व्यवस्थाओं का अतिक्रमण, अनेक देशों में परस्पर चलने वाले युद्धों से कराहती मानवता, अपने धर्म के विस्तार के लिए दूसरे धर्म अनुयायियों की समाप्ति के प्रयास, आज भी संपूर्ण मानवता के सम्मुख चुनौती हैं। इसी की चेतावनी जिसको स्वामी जी ने अपने भाषण में वर्णित किया था कि सांप्रदायिकता, हठधर्मिता, धर्मांधता पृथ्वी को हिंसा से भरती रही है। उन्होंने आह्वान किया था कि सभा के सम्मान में हुआ उत्पीड़न एवं पारस्परिक कटुता का मृत्यु निनाद सिद्ध होगा। यह लक्ष्य प्राप्ति अभी भी कोसों दूर है। हिंदू धर्म में व्याप्त कुरीतियों के उन्मूलन के लिए उन्होंने समाज का आह्वान किया था।

अस्पृश्यता पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा था कि "हिंदू धर्म का एक ही सिद्धांत रह गया है, मुझे मत छुओ-

मुझे मत छुओ। इस मत छुओवाद के कारण समाज की बहुत बड़ी क्षति हुई है। यह ईश्वर की व्यवस्था एवं मानवता के प्रति घोर अन्याय है।" अनेक महापुरुषों एवं संस्थाओं के प्रयासों के बाद भी यह कार्य अभी अपूर्ण है। समरस समाज निर्माण के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें अभी भी सतत प्रयत्न करने हैं। आज जब संपूर्ण देश में मतांतरण, लवजेहाद, लैंड जेहाद, घुसपैठ जैसे माध्यमों से देश की जनसांख्यिकी परिवर्तन का प्रयास हो रहा है। ऐसे समय स्वामी विवेकानंद का यह विचार कि "जब एक हिंदू अपना धर्म छोड़ता है, तब केवल एक हिंदू कम नहीं होता, बल्कि देश का एक शत्रु बढ़ जाता है।" अमेरिका में ईसाई मिशनरियों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा था कि "समाज की गरीबी एवं लाचारी का लाभ उठाकर प्रलोभन अथवा सेवा का माध्यम बनाकर धर्मांतरण करना यह सेवा नहीं व्यापार है।"

लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति को उन्होंने नकारात्मक शिक्षा पद्धति कहा, जो आने वाली पीढ़ी के मन में अपनी परंपरा, संस्कृति, इतिहास, भाषा एवं महापुरुषों के प्रति ग्लानि का निर्माण करती है। उनका कहना था कि "वह शिक्षा जो तुम्हें आत्मनिर्भर न बनाये, वह शिक्षा नहीं है।"

स्वामी विवेकानंद केवल धर्म प्रचारक ही नहीं, वह भारत के आर्थिक विकास के प्रति भी सजग थे। हमारे युवा आर्थिक विकास के लिए विज्ञान एवं तकनीकी का उपयोग करने वाले बनें, यह आह्वान भी उन्होंने किया था। प्रसिद्ध उद्योगपति जमशेद जी टाटा से यात्रा के समय हुए संवाद में भारत की आर्थिक प्रगति में उनके योगदान के संबंध में चर्चा की थी। जमशेद जी टाटा द्वारा भारतीय विज्ञान संस्थान एवं टाटा स्टील जैसे उद्योगों की स्थापना के पीछे स्वामी जी की ही प्रेरणा थी। इस भेंट में स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि "केवल विदेश से तकनीकी आयात करना भारत की गरीबी नहीं मिटाएगा, हमें अपनी तकनीकी स्वयं विकसित करनी होगी।" भारत विश्व की सर्वाधिक युवा जनसंख्या वाला देश है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा था कि "उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति से पहले मत रुको"(उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत)। उनका कहना था कि "मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है। इन्हीं में से राष्ट्र निर्माण के कार्यकर्ता निकलेंगे।" उन्होंने स्वस्थ एवं फौलादी शरीर वाले, संवेदनशील हृदय वाले, सेवाभावी युवाओं की कल्पना की थी। मानसिक गुलामी से मुक्ति का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा था कि "भारत की कमजोरी आर्थिक गरीबी नहीं, बल्कि मानसिक गुलामी है।" उनका प्रसिद्ध वाक्य "हम पाप के कारण से नहीं जन्मे, हम अमरत्व की संतान हैं (वयम् अमृतस्य पुत्राः)"। स्वदेशी एवं स्वाभिमान के भाव को प्रकट करते हुए उन्होंने मंत्र दिया था कि "गर्व से कहो, मैं भारतीय हूँ, प्रत्येक भारतीय मेरा भाई है, कहो भारत की मिट्टी मेरा सर्वोच्च स्वर्ग है।" पश्चिम प्रवास के समय भारत में स्त्री-पुरुष समानता पर प्रश्न पूछने पर उन्होंने कहा था कि भारत में स्त्री सदैव श्रेष्ठ है क्योंकि वह माँ है।

उन्होंने कहा कि भारत की स्त्रियों को पश्चिमी फैशन की नहीं, बल्कि सीता एवं सावित्री के चारित्रिक बल की आवश्यकता है। उनका यह संदेश कि "किसी के पीछे मत चलो, स्वयं का मार्ग बनाओ। पाश्चात्य देशों की नकल करना सभ्यता नहीं, बल्कि अपनी बौद्धिक मृत्यु को निमंत्रण देना है।" स्वतंत्रता आंदोलन के महान क्रांतिकारियों की प्रेरणा स्वामी विवेकानंद थे। घोर गुलामी के कालखंड में भी भारत के दायित्व के प्रति उन्होंने जो विश्वास प्रकट किया, उसको पूर्ण करने का कार्य वर्तमान एवं भावी पीढ़ी को करना है। अपने जीवन की अल्पावधि में जो महान कार्य स्वामी विवेकानंद के द्वारा हुए, उनको पूर्णता प्रदान करने का संकल्प लेना उनके जन्मदिवस पर उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संकल्प

डॉ. पवन कुमार शर्मा

राष्ट्र चेतना व आस्था का उत्सव है सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में गुजरात के सोमनाथ को बारह पवित्र ज्योतिर्लिंगों में प्रथम स्थान पर रखा गया है, जिससे भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में उसके महत्व का पता चलता है। यह उस सभ्यतागत विश्वास को प्रतिबिंबित करता है कि सोमनाथ भारत के आध्यात्मिक भूगोल का आधार है। गुजरात में वेरावल के निकट प्रभास पाटन में अरब सागर के किनारे स्थित, सोमनाथ केवल एक पूजा स्थल नहीं है, बल्कि भारत की सभ्यतागत निरंतरता का एक जीवंत प्रतीक है। 1000 वर्ष पूर्व, 1026 ईस्वी में महमूद गज़नवी ने पहली बार हिंदू आस्था के इसी केंद्र बिंदु सोमनाथ पर आक्रमण किया था, लेकिन आक्रमणों, विध्वंस और अपमान के बावजूद सोमनाथ ने आत्मसमर्पण नहीं किया। आस्था के इस केंद्र की गौरवशाली विरासत को याद करने के लिए 8 से 11 जनवरी 2026 तक सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन किया गया। यह भव्य आयोजन भारत की सांस्कृतिक अस्मिता, ऐतिहासिक स्मृति, राष्ट्रीय स्वाभिमान और राष्ट्र चेतना का प्रतीक बन गया है। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का उद्देश्य भारत की उस आत्मा को स्मरण करना है, जिसने हर दौर में पुनर्निर्माण का साहस दिखाया।

सोमनाथ मंदिर का इतिहास बताता है कि कैसे यह स्थल बार-बार नष्ट किया गया, लेकिन हर बार और अधिक भव्यता के साथ खड़ा हुआ। यह पर्व नई पीढ़ी को अपने अतीत से जोड़ने और आत्मगौरव की भावना जागृत करने का माध्यम है। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में देश-विदेश से श्रद्धालु, संत, इतिहासकार और जनप्रतिनिधि उपस्थित हुए। सहस्त्र वर्षों के लंबे संघर्षकाल के बाद आया यह मौका केवल उत्सव का नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी अवसर बना। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन कार्यक्रम का केंद्र बिंदु रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में सोमनाथ को भारत की आत्मा का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारत की अटूट चेतना और स्वाभिमान का साक्षात स्वरूप है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इतिहास को केवल पीड़ा के रूप में नहीं, बल्कि प्रेरणा के स्रोत के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन्होंने सोमनाथ को तोड़ने का प्रयास किया, वे इतिहास में खो गए, लेकिन सोमनाथ आज भी अडिग खड़ा है। राष्ट्र निर्माण में आत्मगौरव और सांस्कृतिक चेतना का होना आवश्यक है। उन्होंने विकास और विरासत के संतुलन की बात करते हुए कहा कि आधुनिक भारत अपनी प्राचीन जड़ों पर गर्व करता है। प्रधानमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का स्मरण करते हुए कहा कि स्वतंत्र भारत में सोमनाथ का पुनर्निर्माण केवल धार्मिक कार्य नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय आत्मसम्मान की पुनर्स्थापना थी। आज का भारत आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और सांस्कृतिक रूप से जागरूक भारत है। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व इसी चेतना का प्रतीक है। जब राष्ट्र अपनी जड़ों से जुड़ा होता है, तभी वह वैश्विक मंच पर मजबूती से खड़ा हो सकता है। स्वाभिमान पर्व के दौरान 72 घंटे का अखंड ओंकार जाप, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, प्रकाश-ध्वनि कार्यक्रम और ऐतिहासिक प्रदर्शनी आयोजित की गईं।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से सोमनाथ के इतिहास और संघर्ष को जनसामान्य तक प्रभावी रूप से पहुंचाया गया। सदियों तक सोमनाथ करोड़ों लोगों की श्रद्धा और उपासना का केंद्र रहा है। इसे बार-बार उन आक्रमणकारियों द्वारा निशाना बनाया गया, जिनका उद्देश्य भक्ति नहीं, बल्कि विनाश था। इसके बावजूद सोमनाथ की कथा सनातन धर्म को मानने वाले करोड़ों लोगों के अटूट साहस, विश्वास और संकल्प से जानी जाती है। पुराणों के अनुसार, सोमनाथ मंदिर की स्थापना स्वयं चंद्रदेव ने की थी। कहा जाता है कि चंद्रमा ने भगवान शिव की आराधना कर अपने क्षय रोग से मुक्ति पाई और कृतज्ञता स्वरूप इस ज्योतिर्लिंग की स्थापना की। ऋग्वेद, स्कंद पुराण, शिव पुराण और भागवत पुराण में सोमनाथ की महिमा का वर्णन मिलता है। प्राचीन काल में सोमनाथ मंदिर अपार संपन्नता और वैभव का केंद्र था। विदेशी यात्रियों के वर्णनों के अनुसार, मंदिर में सोने-चांदी के कलश, रत्नजड़ित द्वार और हजारों दीपक सदैव प्रज्ज्वलित रहते थे। समुद्री व्यापार के कारण यह क्षेत्र अत्यंत समृद्ध था और सोमनाथ उस समृद्धि का प्रतीक था। यह मंदिर आने वाली पीढ़ियों को यह प्रेरणा देता रहेगा कि आस्था और आत्मबल के सामने कोई भी आक्रमण टिक नहीं सकता। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व केवल अतीत की स्मृति नहीं बल्कि भविष्य का संकल्प है। यह दिव्य भव्य आयोजन संदेश देता है कि भारत अपनी आस्था, इतिहास और स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ रहा है

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

राम सब घट मेरा साइयां

पूरे संसार में राम का निवास है, सबमें भगवान हैं और हम उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम करते हैं। राम ईश्वर के रूप में सबके हृदय में है। कबीर ने कहा है-'राम सब घट मेरा साइयां'... राम ईश्वर के रूप में सबके हृदय में हैं। सदा सर्वदा सबके हृदय में रहेंगे, लेकिन हमारे स्वार्थ, हमारे हेतु, हमारी मानसिकताओं के कारण कभी-कभी हम राम को

साधन बना बैठते हैं। इसलिए हम राम को सही रूप में नहीं समझ पाते। प्रत्येक व्यक्ति में यदि हमें सिया राम के दर्शन होने लगें तो तमाम भेदभाव समाप्त हो जाएंगे। जातीय आधार पर भेदभाव काफी हद तक कम हुआ है, लेकिन अब भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। इसके लिए धर्माचार्यों को आगे आना होगा। धार्मिक क्षेत्र हो, राजनीतिक या फिर सामाजिक क्षेत्र, अंतिम व्यक्ति पूज्य होना चाहिए। अगर अंतिम व्यक्ति आप तक नहीं पहुंच पा रहा है तो यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप उस तक पहुंचें। भारतीय दर्शन में इहलोक और परलोक की बात आती है। इहलोक और परलोक का कल्याण करने की बात मेरी दृष्टि में इह यानी अपने संसार के साथ-साथ दूसरों का भी कल्याण हो, ऐसा प्रयास करना ही इहलोक और परलोक को सुधारना है। दूसरों के कल्याण की भावना का क्षेत्र बहुत व्यापक है। हम व्यापक व विराट की संतान हैं, इसलिए दूसरों के कल्याण का भारतीय सोच पूरे विश्व के कल्याण का सोच है। जब हम वसुधैव कुटुंबकम की बात करते हैं, तो दुनिया के सभी देशों के कल्याण की बात करते हैं।

संकलित

दर्शन

कपड़े की उपयोगिता दिखावे के लिए नहीं

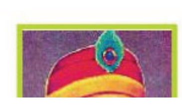

संत कबीर रोज अपने शिष्यों को और अन्य लोगों को उपदेश दिया करते थे। कबीर जी के उपदेश सुनने एक धनी व्यक्ति भी आता था। धनी व्यक्ति कबीर दास जी से बहुत प्रभावित था। एक दिन उस धनी व्यक्ति ने देखा कि कबीर दास जी जो कुर्ता पहनते हैं, वह बहुत पुराना हो गया और कुर्ता बहुत ही सामान्य कपड़े से बना था।

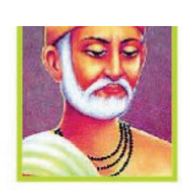

अगले दिन धनी व्यक्ति एक मूल्यवान कुर्ता लेकर पहुंचा और कबीर दास को उपहार में दे दिया। कुर्ता मखमल से बना था। बाहर की ओर से कुर्ता मखमली था और अंदर की ओर उसमें सामान्य कपड़ा लगा था। धनी व्यक्ति ने सोचा था कि अब कबीर दास जी उसका दिया हुआ कुर्ता पहनेंगे। अगले दिन जब वह व्यक्ति फिर से कबीर दास जी के पास पहुंचा तो उसने देखा कि कबीर जी ने उल्टा कुर्ता पहना है। दरअसल, कबीर दास जी के कुर्ते का मलमल वाला हिस्सा अंदर की ओर था और बाहर सामान्य कपड़ा दिख रहा था। उस धनी व्यक्ति ने कबीर जी से पूछा कि ये आपने क्या किया? आपने तो कुर्ता उल्टा पहना है? सभी लोगों ने भी कबीर दास जी से पूछा कि कुर्ता मूल्यवान है तो आपने इसे उल्टा क्यों पहना है? कबीर जी ने कहा कि ये कुर्ता देखकर मैंने सोचा कि मखमल शरीर को स्पर्श होगा तो शरीर को ज्यादा बेहतर लगेगा, क्योंकि ये कपड़ा तो शरीर के लिए ही हैं। दिखाने के लिए तो साधारण हिस्सा ही काफी है। दूसरों को हमारे कपड़ों से क्या लेना-देना?

संकलित

प्रेरणा

अंतर्मन

आज की पाती

अंतरराष्ट्रीय पहचान बना रही है हिंदी

हिंदी केवल भारत में बोली जाने वाली एक भाषा नहीं है, बल्कि यह विश्व की प्रमुख भाषाओं में अपना विशिष्ट स्थान बना चुकी है। हिंदी भारत की संस्कृति है, संस्कार है, यह स्वतंत्रता संग्राम की भाषा है। हिंदी की अंतरराष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने, उसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने और वैश्विक मंच पर उसकी भूमिका को रेखांकित करने के लिए प्रति वर्ष 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हिंदी भाषा के सम्मान, इसके विस्तार और इसके भविष्य की संभावनाओं का प्रतीक है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, दक्षिण अफ्रीका और नेपाल जैसे देशों में हिंदी न केवल बोली जाती है, बल्कि शिक्षा, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी माध्यम बनी हुई है।

- साकेत अग्रवाल, भाटापारा

करंट अफेयर

मचाडो शांति पुरस्कार ट्रंप को नहीं दे सकती

नोबेल इंस्टिट्यूट ने स्पष्ट किया है कि वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो हाल ही में मिला नोबेल शांति पुरस्कार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नहीं दे सकतीं। नॉर्वियन नोबेल इंस्टिट्यूट ने यह बयान मचाडो के यह कहने के बाद जारी किया है कि वह अपना पुरस्कार ट्रंप को देना या उनके साथ साझा करना चाहेंगी, जिन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के अमेरिकी अभियान की निगरानी की है। मादुरो न्यूयॉर्क में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों का सामना कर रहे हैं। इंस्टिट्यूट ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा हो जाने के बाद इसपर न तो रोक लगाई जा सकती है, न ही यह किसी दूसरे को सौंपा या उसके साथ साझा किया जा सकता। बयान में कहा गया है, 'फैसला अंतिम होता है और हमेशा बरकरार रहता है।' मचाडो ने 'फॉक्स न्यूज' के प्रस्तोता सीन हैनिटी से सोमवार को कहा था, 'मैं व्यक्तिगत रूप से उनसे यह कहना जरूर चाहूंगी कि हम (वेनेजुएला की जनता) यह मानते हैं कि यह पुरस्कार वेनेजुएला के लोगों का है और वे निश्चित रूप से इसे उन्हें देना या उनके साथ साझा करना चाहते हैं।'

ऑफ बीट

झपकी से याददाश्त में हो सकता है सुधार

कुछ लोग इसे विलासिता भोग के रूप में देखते हैं जबकि अन्य इसे मुस्तैद तथा तंदरुस्त बने रहने के तरीके के रूप में देखते हैं। लेकिन झपकी के फायदे के साथ-साथ नुकसान भी हो सकते हैं। वैसे मैं झपकी लेने की जटिल प्रवृत्ति के साथ साथ इस बात से अवगत हूं कि क्यों दोपहर के वक्त 20 से 30 मिनट की झपकी असंख्य तरीकों से फायदेमंद हो सकती है। अनुसंधान से पता चलता है कि झपकी के कई फायदे हैं। छोटी-सी झपकी से मानसिक स्वास्थ्य और याददाश्त के साथ ही मुस्तैदी, ध्यान और प्रतिक्रिया देने के समय में भी सुधार आता है। इसका संबंध उत्पादकता और रचनात्मकता से भी है। चूंकि झपकी से रचनात्मक सोच में सुधार आता दिखायी देता है इसलिए कुछ कंपनियों ने अपने कार्य स्थल पर झपकी लेने के लिए कमरे बनाकर इसका फायदा उठाने का प्रयास किया है। ऐसा कहा जाता है कि मस्तिष्क झपकी के वक्त का इस्तेमाल दिनभर में एकत्रित सूचना को संसाधित करने के लिए करता है जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि समस्याओं को हल करने की क्षमता बढ़ती है। एक छोटे-से अध्ययन से यह पता चलता है कि जो लोग झपकी लेते हैं वे कम चिड़चिड़े होते हैं तथा उन्हें कम गुस्सा आता है जिससे काम करते वक्त बेहतर फोकस बनता है और दक्षता बढ़ती है।

ट्रेंड

वेगडाजी भील का पराक्रम

वेगडाजी भील का पराक्रम सोमनाथ के इतिहास का एक अभिन्न हिस्सा है। हिंसा की धमकियों से विचलित हुए बिना वे इस पवित्र मंदिर की रक्षा में दृढ़ता से डटे रहे। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सोमनाथ की रक्षा के लिए मां भारती की संतानों का संकल्प कितना सशक्त रहा है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

गिनीज विश्व रिकॉर्ड

राजमार्ग अभियांत्रिकी में नए वैश्विक मानदंड स्थापित करते हुए, एनएचएआई ने निरंतर बिटुमिनस कंक्रीट फर्श में दो और गिनीज विश्व रिकॉर्ड हासिल करके इतिहास रच दिया है। यह उपलब्धि कड़े गुणवत्ता नियंत्रण के साथ-साथ आईआईटी बॉम्बे जैसे प्रमुख संस्थानों के सहयोग से संभव हुई।

-नितिन गडकरी, केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

उत्साह का संचार

जिंदगी में आनंद और उत्साह का संचार अगर कोई करते हैं, तो खेल करते हैं। खेल शरीर को स्वस्थ बनाते हैं, मन को और मजबूत बनाते हैं तथा आत्मा को आनंद और प्रसन्नता से भर देते हैं।

- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

जनविरोधी फैसला

काम का अधिकार' कोई भीख नहीं, बल्कि देश के गरीब का कानूनी हक है। भाजपा सरकार 'वी.बी.जी. राम जी योजना' लाकर मनरेगा को व्यवस्थित रूप से खत्म करना चाहती है। इस जनविरोधी फैसले के खिलाफ कांग्रेसी आवाज बुलंद करेंगे।

-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

परीक्षण के दौरान एक मूविंग टारगेट पर लगा सटीक निशाना

टैंक को खोजकर ध्वस्त करने वाली मिसाइल का परीक्षण सफल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की रक्षा तकनीक में एक और बड़ी उपलब्धि। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने रविवार को महाराष्ट्र के अहिल्या नगर के केके रेंज में मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का सफल फ्लाइट टेस्ट किया। यह मिसाइल टॉप अटैक मोड में चलते हुए टारगेट (मूविंग टैंक) को मारने में पूरी तरह सफल रही। यह भारत की सेना के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यह आधुनिक मुख्य युद्ध टैंकों को आसानी से नष्ट कर सकती है। यह एक मिसाइल तीसरी पीढ़ी की फायर एंड फॉरगेट मिसाइल है। इसका मतलब है कि सैनिक मिसाइल छोड़ने के बाद उसे गाइड नहीं करना पड़ता-मिसाइल खुद ही लक्ष्य को ढूंढकर मारती है। यह मिसाइल बहुत हल्की है, जिसे एक सैनिक आसानी से कंधे पर उठाकर ले जा सकता है।

मिसाइल का प्रक्षेपण

सटीक लगा निशाना

डीआरडीओ की हैदराबाद स्थित डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी ने इस टेस्ट को अंजाम दिया। टारगेट के रूप में एक थर्मल टारगेट सिस्टम इस्तेमाल किया गया, जिसे जोधपुर की डिफेंस लेबोरेटरी ने बनाया था। यह सिस्टम एक चलते हुए टैंक की तरह दिखता और महसूस होता है। मिसाइल ने टॉप अटैक मोड में चलते टारगेट को सटीक निशाना लगाकर सफलतापूर्वक नष्ट किया।

ये हैं मुख्य विशेषताएं

- **टॉप अटैक मोड:** मिसाइल टैंक के ऊपर से (टॉप) हमला करती है, जहां टैंक की सबसे कमजोर जगह होती है (टैंक का ऊपरी हिस्सा पतला होता है)।
- **इमेजिंग इन्फ्रारेड होमिंग सीकर:** दिन और रात दोनों में काम करती है. यह थर्मल इमेजिंग से टारगेट को देखती है।
- **टैंडम वॉरहेड:** दो विस्फोटक हेड्स-पहला टैंक के रिएक्टिव आर्मर को तोड़ता है, दूसरा मुख्य बॉडी को नष्ट करता है। आधुनिक टैंकों को भी हरा सकती है।
- **ऑल इलेक्ट्रिक कंट्रोल सिस्टम:** बहुत तेज और सटीक।
- **उच्च प्रदर्शन साइटिंग सिस्टम:** सैनिक को टारगेट साफ दिखाई देता है।
- **प्रोपल्शन सिस्टम:** तेज और दूर तक मार करने में सक्षम।
- **लॉन्च तरीका:** ट्राइपॉड (तीन पैरों वाला स्टैंड) या सैन्य वाहन से लॉन्च की जा सकती है।

मिसाइल बनाने में योगदान

- रिसर्च सेंटर इमरत (आरसीआई), हैदराबाद - सीकर और गाइडेंस
- टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी, चंडीगढ़ - वॉरहेड टेस्टिंग
- हाई एनर्जी मैटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी, पुणे - विस्फोटक सामग्री
- इंस्ट्रूमेंट्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट, देहरादून - साइटिंग सिस्टम

रक्षा मंत्री ने दी बधाई

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, इंडस्ट्री और पार्टनर्स को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। डीआरडीओ चेयरमैन डॉ. समीर वी. कमत ने कहा कि यह सफल परीक्षण हथियार प्रणाली को भारतीय सेना में शामिल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

छात्रों को अधिक दस्तावेजी सबूत देने होंगे

आस्ट्रेलिया ने भारत सहित कई देशों को 'हाई रिस्क कैटेगरी' में डाला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया सरकार ने भारत, नेपाल, बांग्लादेश और भूटान के छात्रों के लिए वीजा नियमों को सख्त करते हुए उन्हें 'हाई रिस्क' कैटेगरी में डाल दिया है। इन देशों को अब 'एविडेंस लेवल-2' से हटाकर 'लेवल-3' में रखा गया है, जिसका सीधा अर्थ है कि अब छात्रों को अधिक दस्तावेजी सबूत देने होंगे और उनकी गहन जांच की जाएगी। इस बदलाव के तहत, भारतीय छात्रों के बैंक स्टेटमेंट्स का मैन्युअल वेरिफिकेशन होगा और उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि की बारीकी से जांच की जाएगी। साथ ही, अंग्रेजी भाषा की दक्षता के लिए अतिरिक्त

प्रमाण मांगे जा सकते हैं और वीजा अधिकारियों को संस्थानों से सीधे संपर्क करने का अधिकार होगा।यह कदम विशेष रूप से फर्जी वित्तीय और शैक्षणिक दस्तावेजों के बढ़ते मामलों को देखते हुए उठाया गया है। ऑस्ट्रेलिया में वर्तमान में लगभग 1.4 लाख भारतीय छात्र पढ़ रहे हैं, जो कुल अंतरराष्ट्रीय छात्रों का एक बड़ा हिस्सा हैं। अमेरिका, यूके और कनाडा द्वारा विदेशी छात्रों के लिए नियम कड़े करने के बाद ऑस्ट्रेलिया में आवेदनों की संख्या बढ़ी है।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव जिला सूरजपुर (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्रमांक ब-121/2025-26

आम जनता ग्राम भटगांव को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमेश झा आ० आजाद कुमार झा जाति ब्राम्हण निवासी ग्राम भटगांव तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छ०म० द्वारा अपने स्वयं का जन्म दिनांक 15/08/2002 को गृह निवास भटगांव में जन्म होना बताकर जन्म प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत माघ आटेधन, शपथ पत्र, आगनबाड़ी पंचनामा, चालान की प्रति, आधार कार्ड, शिक्षा प्रमाण पत्र की छाया प्रति सहित स्थानीय रजिस्ट्रार (जन्म/मृत्यु) का रजिस्ट्रीकरण (मध्यप्रदेश) निगम 1969 के नियम 10 (13) के अन्तर्गत्त निर्देश देने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।अतः रमेश आ आ० आजाद कुमार झा जन्म दिनांक 15/08/2002 का जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था कोई आपत्ति हो ती दिनांक 23/01/2026 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दाया प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 08/01/2026 को मेरे हरताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगांव जिला सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202601020700015

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः राजस्व
सनः-2025-2026
नमना कला प.ह.न. 00020 [157/106(0.027हे0)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - नीलम खलखो,
अनावेदक पक्षकार अनुप्रिया खलखो रोस मेरी खलखो.

ईश्तहार

आवेदिका नीलम खलखो पुत्री सेराफिनुस खलखो निवासी पटपरिया अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 157/106 रकबा 0.040 है० भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध हकत्याग पत्र दिनांक 04.11.2025 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। अतः आपको निर्देषित किया जाता है कि प्रकरण के निराकरण हेतु आवेदित भूमि किसके नाम पर दर्ज है एवं मृतक के वैध वारिसानों की सूची वंषावली सहित सुनवाई दिनांक 21/01/2026 के पूर्व प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुमित्रा सिंह पत्नी सुरेश सिंह जाति खैरवार निवासी मायापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम मायापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 269/13, रकबा 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रवीण गर्ग पिता प्रदीप गर्ग जाति अग्रवाल निवासी जयस्तम्भ चौक अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 4609/14, रकबा 0.035 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है. जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा). अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र० /अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक रामदास हाड़ा पिता रामदेव हाड़ा उम्र लगभग 54 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी महामाया रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर-3 मोहल्ला गुदड़ी चौक मगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 1141/4 रकबा 0.001 एकड़ (150 वर्गफीट) भूमि को अनावेदक/केता वर्षा जायसवाल पति जीवन कुमार गुप्ता उम्र लगभग 38 वर्ष जाति जायसवाल निवासी वार्ड नम्बर 30 थाना के पीछे मायापुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास बिकय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अधया संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथया अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 28/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

पत्रकारों को दी गई गाली और देख लेने की धमकी

सोनभद्र। बभनी मुख्य बाजार में संचालित संजीवनी सर्जिकल हॉस्पिटल पर असुरक्षित ऑपरेशन कर दो महिलाओं की बच्चेदानी निकालने का गंभीर आरोप लगा है साथ ही जब इस चीज की जानकारी स्थानीय कुछ पत्रकारों को हुई तो वह लोग अस्पताल पहुंच कर जानकारी लेने की कोशिश किये तो अस्पताल संचालक द्वारा गाली देते हुए धमकी भी दी गई है जिसका वीडियो वायरल हो रहा है जब धमकी दी जा रही थी पत्रकारों को उस समय निजी अस्पतालों के नोडल डॉक्टर गुरु प्रसाद भी मौजूद थे इस दौरान उनकी चुप्पी मिली भगत का भी इशारा करती है बाद में जब ज्यादा दबाव पड़ने लगा उसके बाद अस्पताल को सील कर दिया गया स्वास्थ्य विभाग की शनिवार शाम हुई छापेमारी के दौरान इस मामले के उजागर होने की बात कही जा रही है आरोप है कि छापेमारी की भनक लगते ही अस्पताल

संचालक ने ऑपरेशन की गई दोनों महिलाओं को कमरे में ताला बंद कर छोड़ दिया और मौके से फरार हो गये बताया जा रहा है कि महिलाएं घंटो तक अस्पताल के भीतर ही तड़पती रही । यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि बाद में दोनों महिलाओं को पीछे के रास्ते से बाहर निकालकर खेतों में ले जाया गया जहां उन्हें कुछ समय तक छिपा कर रखा गया महिलाओं का कहना है कि उनका ऑपरेशन किया गया है और बच्चेदानी निकाली गई है इसके बाद कथित रूप से बिना नंबर प्लेट की गाड़ी में बैठाकर उन्हें दूसरे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है इस दौरान महिलाओं के स्वजन लगातार अस्पताल के चक्कर लगाते रहे लेकिन उन्हें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई पीड़ित महिलाओं में बुधनी पत्नी लालता निवासी डूमपान छत्तीसगढ़ तथा उर्मिला पत्नी श्याम बिहारी निवासी बचरा बताई जा रही है मामले की जानकारी मिलने पर कवरेज के लिए पहुंचे पत्रकारों के साथ भी अस्पताल संचालक द्वारा कथित तौर पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने और अपशब्द कहने का आरोप भी है साथ ही आरोप यह भी है कि पत्रकारों को धमकाया भी गया है और उनको देख लेने की भी बात की गई है इस दौरान मौजूद सह नोडल अधिकारी की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं क्योंकि पूरे घटनाक्रम के दौरान हुए कथित रूप से मूकदर्शक बने रहे सर नोडल अधिकारी गुरु प्रसाद के अनुसार संबंधित अस्पताल को नोटिस जारी किया गया है और बाद में अस्पताल को सील करने की कार्रवाई की गई है ।

युवाओं की चेतना ही राष्ट्र का भविष्य तय करेगी : मनीष पाण्डेय

सोनभद्र। ईश्वर प्रसाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं ईश्वर प्रसाद विधि महाविद्यालय देवरा राजा के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में स्वामी विवेकानंद के विचारों की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्रबंधक मनीष पाण्डेय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो का संदेश आज के युवाओं के लिए संजीवनी के समान है।

पेड़ के सहारे लटकते युवक शव मिलने से परिवार में हड़कंप

डाला सोनभद्र।चोपन थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोटा ग्राम पंचायत टोला जडंगाखाडी में एक युवक का पेड़ के सहारे लटकते शव मिलने से स्वजनों में हड़कंप जांच में जुटी पुलिस मिली जानकारी के मुताबिक रविवार को देर शाम लगभग साढ़े छः बजे चोपन थाना क्षेत्र अंतर्गत कोटा ग्राम पंचायत के टोला जडंगा खाडी में घर से लगभग पांच मीटर दूरी पर स्थित महुआ के पेड़ में गमछा के सहारे टिंकू कुमार उम्र लगभग 18 वर्ष पुत्र छोटे लाल पठारी का लटका हुआ शव मिला जिसे देख स्वजन भवचक्र हो गए

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202601020700060

विषय-व-121

मामले की श्रेणी राजस्व

सन-2025-2026

नमना कला प.ह.न. 000020 [(हे0)

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार अरूणा मिंज,

अनावेदक पक्षकार -छ०ग० शासन,

ईश्तहार

आवेदिका अरूणा मिज पिता सुवाराम निवासी नमनाकला अंबिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०के द्वारा नक्शा सुधार हेतु आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 57/3 रकबा नंबर 0.020 हे.भूमि के नक्शा में त्रुटि हो गया है। नक्सा में रोड दर्शित हो रहा है 18 फीट छोड़कर उक्त भूमि का नक्शा सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है. जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति ही तो पेशी दिनांक 30/01/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम में उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपति पर कोई विचार नही किया जायेगा।यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा में आज दिनांक 08/01/ 2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०- /अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक नीरज कुमार जैन पिता सुरेन्द्र कुमार जैन, उम्र लगभग 43 वर्ष, जाति जैन निवासी कुंडला सिटी अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदक बाबूलाल अग्रवाल पिता स्व. गनपत राम अग्रवाल, निवासी राम मंदिर रोड़ अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 08. मोहल्ला ब्रम्हरोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 3216/1 रकबा 0.03 एकड़ भूमि व भूमि पर निर्मित मकान / दुकान को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 01/09/2025 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 28/01/2026 तक तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 24/10/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नीलम राजवाड़े पत्नी पारसनाथ राजवाड़े जाति राजवार निवासी मायापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नबर 1676/10 रकबा 0.017 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन हैं अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आंपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा). अम्बिकापुर

कांग्रेस नेता कन्नन गोपीनाथन ने कैग रिपोर्ट का दिया हवाला

कांग्रेस ने की प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में दस हजार करोड़ के घोटाले की उच्चस्तरीय जांच की मांग

▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने कैग की रिपोर्ट में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) में सामने आए दस हजार करोड़ के घोटाले को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

कांग्रेस नेता कन्नन गोपीनाथन ने कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 2015 से 2022 तक की पीएमकेवीवाई की परफॉर्मेंस ऑडिट रिपोर्ट में योजना के हर स्तर पर भयंकर घोटाला सामने आया है। योजना में कुल 14 हजार करोड़ रुपए

का प्रावधान था, जिसमें से लगभग 10 हजार करोड़ रुपए खर्च किए गए। 94.53 प्रतिशत लाभार्थियों के बैंक खाता के विवरण फर्जा पाए गए। 61 लाख प्रशिक्षकों का डेटा पूरी तरह खाली या गायब है; कहीं नाम दर्ज नहीं हैं, कहीं मोबाइल नंबर नहीं हैं और अन्य आवश्यक जानकारियां भी मौजूद नहीं हैं। प्रशिक्षण का मूल्यांकन करने वाले 97 प्रतिशत असेसर्स की जानकारी उपलब्ध नहीं हैं। लगभग एक करोड़ लोगों को ट्रेनिंग दिखाई गई है, जबकि प्रशिक्षुओं के ईमेल आईडी केवल एक-डेढ़ लाख ही दर्ज हैं।

गोपीनाथन ने बताया कि पांच-छह साल से बंद नीलिमा मूविंग पिक्चर्स नाम की कंपनी ने कथित तौर पर 33 हजार लोगों को ट्रेनिंग दी। एक ही फोटो को बिहार और उत्तर प्रदेश की अलग-अलग ट्रेनिंग बताकर इस्तेमाल किया गया। जयपुर कल्चरल सोसाइटी ने 31 फरवरी 2021 जैसी अस्तित्वहीन तारीख को ट्रेनिंग आयोजित करने का दावा किया और इसकी न्यूज क्लिपिंग भी सीएजी रिपोर्ट में शामिल की गई। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में घोटालेबाज इतने कुशल हो गए हैं कि वे उस तारीख को भी काम कर रहे हैं जो कैलेंडर में होती ही नहीं। एक बंद दुकान वाली कंपनी रेडिए डिजाइन्स ने करीब 15 हजार लोगों को ट्रेनिंग देने का दावा किया। सीएजी रिपोर्ट में ऐसे कई उदाहरणों का उल्लेख है जहां बिना ईमेल आईडी, बिना फ़ोन नंबर और बिना बैंक खाते नंबर के प्रशिक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं को 7 साल में 10 हजार करोड़ बांटे गए। प्रशिक्षुओं के 41 प्रतिशत प्लेसमेंट के दावे भी फर्जी हैं।

गोपीनाथन ने जोर देते हुए कहा कि यह करदाताओं का पैसा है, जो भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा है। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ यह धोखाधड़ी सिर्फ टैक्सपेयर्स को ही नहीं, बल्कि पूरे देश के भविष्य को नुकसान पहुंचा रही है।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उमेश जायसवाल आ० रंगनाथ जायसवाल निवासी केदापुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 207/2 रकबा 0.060. हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, अनुमोदन ले-आउट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश शरण सिंह आ० रविभान शरण सिंह निवासी नवापारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नेहरूनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 54/5 रकबा 0.052 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1. खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा)अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कौशिल्या भगत पत्नी अमरजीत भगत जाति उरांव निवासी केनाबांध अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 2120/28, 2119/14 रकबा 0.028, 0.004 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, ले-आउट की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा). अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पंकज कुमार सिंह आ० महेन्द्र सिंह जाति क्षत्रिय निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 2138/6 रकबा 0.052 डे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है अतएव उक्त संबंध में जिसे किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोनम गुप्ता आ० अनूप गुप्ता जाति केशरवानी निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 1789/187, रकबा 0.023 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

30 जनवरी को थिएटर्स में आएगी मर्दानी 3

मुंबई। मर्दानी 3 ' में रानी मुखर्जी एक बार फिर निडर पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नजर आएंगी, जो न्याय के लिए निस्वार्थ भाव से लड़ती हैं। यश राज फिल्म्स ने 'मर्दानी 3' की रिलीज डेट का ऐलान किया है। फिल्म 30 जनवरी को थिएटर्स में आएगी। मेकर्स इस फिल्म को शिवानी की अच्छाई और खौफनाक बुराई के बीच एक खूनी और हिंसक टकराव के रूप में पेश कर रहे हैं, जहां वह देश की कई लापता लड़कियों को बचाने के लिए समय के खिलाफ एक असाधारण रेस शुरू करती हैं। रानी मुखर्जी पहले ही खुलासा कर चुकी हैं कि यह एज-ऑफ-द-सीट थ्रिलर डार्क, डेडली और ब्रूटल होगी।

लाइफ Style

सदफ
भोले बाबा की भक्तिन, रखती हैं व्रत

स्प्लिट्सविला 16' में ' सदाफ़शंकर कौन हैं? मिलिए अफगानिस्तान में जन्मी मॉडल और भगवान शिव की भक्त से, जो इस सीजन की सबसे चर्चित कंटेस्टेंट बनती जा रही हैं। उनकी बेबाक कॉन्फिडेंस, दमदार मौजूदगी और अनोखी कहानी ने दर्शकों के बीच जिज्ञासा और चर्चा को जन्म दिया है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

9 जनवरी 2026 को स्प्लिट्सविला 16' के शुरू होने के बाद से एक कंटेस्टेंट लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। वो न तो गुल्लू हैं, न योगेश। इस कंटेस्टेंट का नाम सदफ शंकर है, जिनका जन्म अफगानस्तान में हुआ है। पिछले दस सालों से भारत में रह रही हैं और इस सीजन की सबसे चर्चित चेहरों में से एक बन गई हैं। सदफ शंकर फारसी मूल की मॉडल हैं, जिनका जन्म अफगानिस्तान में हुआ और अब मुंबई में रहती हैं। पिछले 10 सालों से भारत में रहकर उन्होंने यहां की संस्कृति को पूरी तरह अपनाया है। वह खुद को "देसी दिल से, फिल्मी अंदाज में और थोड़ी सी ड्रामा क्वीन जन्म से" बताती हैं। सदफ शंकर के इंस्टा पर 1.6 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उनकी बायो में लिखा है, 'मैं फेमस हूं, दुनिया को बस अभी पता नहीं चला,' जो उनके आत्मविश्वास को बखूबी दर्शाता है। सोशल मीडिया के मुताबिक, सदफ़ ने हाल ही में प्रोफेशनल मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा है। 'स्प्लिट्सविला 16' में सदफ का इंट्रोडक्शन उन्हें बेबाक, बोल्ड और नजरअंदाज करना नामुमकिन बताता है, जो अपने लुक्स से सबको इम्प्रेस करती हैं और एक नजर से ही सामने वाले को डराने का दम रखती हैं।

बाफ्टा की दौड़ में वन बैटल ऑफ्टर

लॉस एंजिल्स। इन दिनों बाफ्टा अवॉर्ड के नॉमिनेशन चर्चा में हैं। हाल ही में उन फिल्मों के नाम साझा किए गए हैं, जिनका नॉमिनेशन अवॉर्ड के लिए हुआ है। फाइनल वोटिंग राउंड के बाद जल्द ही ऑफिशियल नॉमिनेशन भी सामने आएंगे। लेकिन पहले राउंड में लियोनार्डो डिकैप्रियो की फिल्म ने बाजी मारी है। पहली लिस्ट में लियोनार्डो डिकैप्रियो की फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनदर' का जलवा देखने को मिला। इस फिल्म ने बाफ्टा में लगभग 16 नॉमिनेशन अपने नाम किए हैं।

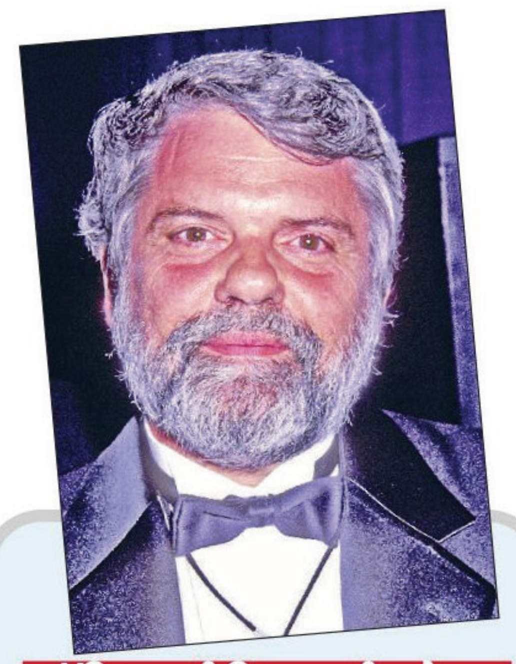

कॉमिक सीरियल सीनफेल्ड के जरिए हुए थे काफी मशहूर

लॉस एंजिल्स। एमी अवॉर्ड विनर डायरेक्टर टॉम चेरोन्स का 86 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह लंबे से एक गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। यह डायरेक्टर कॉमिक सीरियल सीनफेल्ड' के जरिए काफी मशहूर हुए थे। टॉम चेरोन्स ने डायरेक्टर के तौर टीवी से शुरुआत की थी। उन्होंने पहला टीवी सीरियल 'बेब्स इन द वुड्स' किया था। फिर 1990 में उन्होंने 'सीनफेल्ड' नाम का सीरियल डायरेक्ट किया। इस सीरियल ने उन्हें डायरेक्टर के तौर पर अलग पहचान दिलाई। इसी सीरियल के लिए [illegible] डेविड के साथ शेयर किया था। टॉम चेरोन्स ने न्यू मैक्सिको यूनिवर्सिटी से जर्नलिज्म में बैचलर डिग्री हासिल की थी। बाद में अलबामा यूनिवर्सिटी से टेलीकम्युनिकेशंस में मास्टर डिग्री हासिल की।

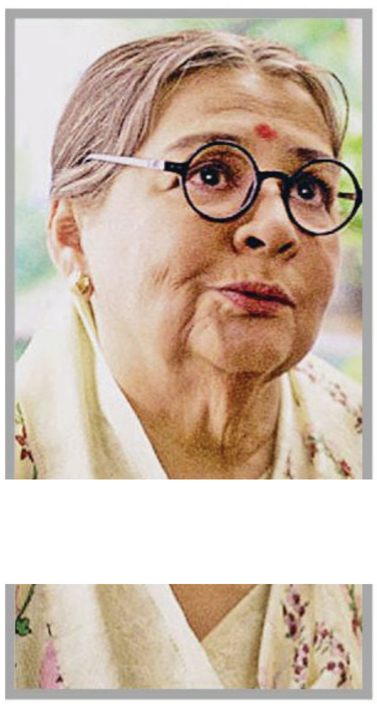

ओ रोमियो के टीजर में फरीदा ने दी गाली

मुंबई। हाल ही शाहिद कपूर की नई फिल्म 'ओ रोमियो' का टीजर रिलीज हुआ, जो इंटरनेट पर छाया हुआ है। जहां इसमें शाहिद चर्चा बटोर रहे हैं, तो वहीं फरीदा जलाल भी छा गईं। हालांकि, उनका अवतार देख फैंस को झटका लगा है। दरअसल, 'ओ रोमियो' के टीजर में फरीदा जलाल गाली देती नजर आ रही हैं। दशकों लंबे करियर में यह पहली बार है, जब फरीदा जलाल गाली देती दिखीं और ऐसा अवतार नजर आया। यही बात फैंस को हजम नहीं हुई और वो हैरान हैं। फरीदा जलाल को यूं गाली देते देख फैंस सोशल मीडिया पर रिएक्ट [illegible] कर रहे हैं। 'ओ रोमियो' का टीजर 10 जनवरी को रिलीज हुआ। विशाल भारद्वाज की इस फिल्म में पूरी कास्ट की झलक दिखाई गई, जिसने फैंस को उत्साहित कर दिया। पर सबसे ज्यादा ध्यान दिग्गज एक्ट्रेस फरीदा जलाल ने खींचा।

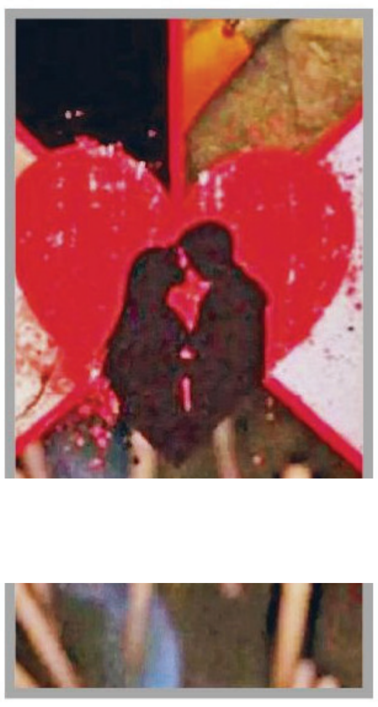

नीले ड्रम और हनीमून हत्या की वो सच्चाई

नई दिल्ली। जिन घटनाओं ने पूरे देश के रोंगटे खड़े कर दिए थे, अब उसकी कहानी ओटीटी पर देखने को मिल रही है। यह सीरीज आपका दिल दहला देने के लिए काफी है। अगर आप इस हफ्ते कोई सीरीज देखने की सोच रहे हैं तो आप इसे अपनी वॉचलिस्ट में शामिल कर सकते हैं। इस डॉक्यु सीरीज का नाम है हनीमून से हत्या, जो महिलाओं द्वारा पतियों की हत्या पर आधारित सच्ची घटना पर आधारित है। सीरीज में उन हत्याओं को दिखाया गया जो सबसे ज्यादा चर्चा में रहीं और इसने लोगों के दिल दहला [illegible] दिए। हनीमून से हत्या डॉक्यु सीरीज में जिन घटनाओं को दिखाया गया है, वो मेघालय सोनम रघुवंशी केस, भिवानी इन्फ्लुएंसर केस, मेरठ ब्लू ड्रम केस, मुंबई (नालासोपारा) टाइल केस और दिल्ली इलेक्ट्रिक शॉक केस शामिल हैं।

टीवी मसाला

इंडियन आइडल 3 के रह चुके हैं विजेता

नई दिल्ली। प्रसिद्ध सिंगर और एक्टर प्रशांत तमांग का 11 जनवरी, 2026 को नई दिल्ली में अपने आवास पर निधन हो गया। प्रशात साल 2007 में 'इंडियन आइडल सीजन 3' के विनर थे जिसके बाद उन्हें काफी पॉपुलैरिटी मिली थी। इसके अलावा वो वेब सीरीज पाताललोक 2 में भी नजर आए थे। वह 43 साल के थे। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार उन्हें दिल का दौरा पड़ा जिससे उनका निधन हो गया। हालांकि अभी इसकी मेडिकल पुष्टि नहीं हुई है। दार्जिलिंग के रहने वाले तमांग का जन्म 4 जनवरी 1983 को हुआ था। उन्होंने कम उम्र में ही अपने पिता को खो दिया था। बाद में कांस्टेबल के रूप में कोलकाता पुलिस में भर्ती हो गए। अपनी सेवा के दौरान, उन्होंने पुलिस ऑर्केस्ट्रा के माध्यम से संगीत के प्रति अपने जुनून को हमेशा अपने अंदर पोषित किया। खबरों के मुताबिक, प्रशांत हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में एक लाइव परफॉर्मेंस के बाद राजधानी लौटे थे। इसके अलावा उन्हें कोई गंभीर स्वास्थ्य बीमारी भी नहीं थी। कोलकाता पुलिस में कांस्टेबल के रूप में सेवा देने से लेकर दक्षिण एशिया में घर-घर में पहचाने जाने वाले नाम बनने तक, तमांग की यात्रा ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। उन्होंने हाल ही में 'पाताल लोक' के सीजन 2 में डैनियल लेचो के रूप में अपने दमदार अभिनय के लिए खूब प्रशंसा बटोरी। उनके गीत 'बीर गोरखाली' और 'असारे महिमा' आज भी शक्तिशाली सांस्कृतिक गीतों के रूप में गूंजते हैं। तमांग को 2007 में इंडियन आइडल सीजन 3 जीतने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि मिली। इस जीत के बाद उनका एल्बम 'धन्यवाद' रिलीज हुआ। उन्होंने विदेशों में भी कई जगह परफॉर्म किया।

टीवी के इन सितारों का फिल्मों में भी बजा डंका

नई दिल्ली। टीवी की दुनिया को भले ही कुछ लोग कम आंकते हैं। छोटा प्लेटफॉर्म मानते हैं। लेकिन इसी जगह से कई सितारे ऐसे चमके, जिनका न सिर्फ इस छोटे पर्दे पर, बल्कि फिल्मों में भी डंका बजा है। मोना सिंह ने 'जस्सी जैसी कोई नहीं' से पॉप्युलैरिटी हासिल की। और टीवी की दुनिया में काफी नाम कमाया। लेकिन फिल्मों में भी इन्होंने झंडे गाड़े। '3 इडियट्स', 'लाल सिंह चड्ढा' जैसी सुपरहिट मूवीज का हिस्सा रहीं। करण टैकर और क्रिस्टल डिसूजा को 'एक हजारों में मेरी बहना है' में साथ देखा गया था। और अब दोनों ही टीवी की दुनिया से निकलकर बड़े पर्दे पर अपनी धाक जमा रहे हैं। वेब सीरीज से लेकर बॉलीवुड मूवीज में ये नजर आ रहे हैं। इरफान खान हमारे बीच नहीं हैं। उन्होंने दूरदर्शन पर 'चाणक्य', 'भारत एक खोज', 'सारा जहां हमारा', 'बनेगी अपनी बात', 'चंद्रकांता' और 'श्रीकांत' जैसे शोज से नाम कमाया और फिर फिल्मों में भी सुपरहिट एक्टर रहे। 'पवित्र रिश्ता' और 'किस देश में है मेरा दिल' जैसे सुपरहिट शोज में अपने किरदार से घर-घर फेमस होने वाले सुशांत संह राजपूत हमारे बीच नहीं लेकिन उन्होंने टीवी के साथ-साथ फिल्मों में भी हाथ आजमाया था और शानदार काम के लिए कई खिताब भी जीते थे।

FA9LA गाने के सिंगर फ्लिपराची करेंगे इंडिया का टूर

*मुंबई। धुरंधर अपनी कहानी के अलावा दर्शकों के बीच गाने '**FA9LA**' के कारण भी खूब चर्चा में रही। यह गाना बहरीन के रैपर फ्लिपराची ने तैयार किया है। जल्द ही वह भारत का टूर कर रहे हैं। धुरंधर को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक महीने से अधिक का समय हो चुका है। फिल्म 800 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी है। इस फिल्म का गाना **FA9LA** अब भी सोशल मीडिया पर वायरल है। इस गाने पर देश ही नहीं, दुनिया भर में रील्स बन चुकी हैं। **FA9LA** के सिंगर रैपर फ्लिपराची हैं। उनकी भारत में भी अब अच्छी खास फैन फॉलोइंग हो चुकी है। अपने इंडियन फैंस का मनोरंजन अब फ्लिपराची लाइव करेंगे। जल्द ही भारत में उनका म्यूजिक टूर शुरू होगा।*

भारत के किस शहर में होगा पहला शो

सिंगर, रैपर फ्लिपराची के इंडिया टूर की शुरुआत 14 मार्च से होगी। वह अपना पहला लाइव शो बेंगलुरु में करेंगे। इस बात की जानकारी रैपर ने खुद इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए साझा की है। म्यूजिक टूर की बाकी तारीखों की घोषणा भी जल्द ही की जाएगी। लेकिन, इसके लिए रैपर फ्लिपराची ने अपने इंडियन फैंस सजेशन मांगे हैं। उन्होंने कहा है कि फैंस अपने शहरों के नाम बताएं, जिसके बाद तय होगा कि वह अगला शो कहां करेंगे।

अक्षय को फ्लिपराची के गाने से मिली लाइमलाइट

फिल्म धुरंधर के गाने **FA9LA** में अक्षय खन्ना ने भी कुछ वायरल डांस स्टेप्स किए। इस वजह से वह भी खूब चर्चा में रहे। फिल्म में लीड रोल रणवीर सिंह का था लेकिन अक्षय खन्ना को इस गाने के कारण ज्यादा सराहा गया। ऑडियंस को **FA9LA** गाने की जोरदार बीट्स और एनर्जी काफी पसंद आई। इस गाने के लिए फ्लिपराची को इंडिया में काफी फेम मिला।

दो आंखें बारह हाथ से लेकर एआर रहमान तक गोल्डन ग्लोब में अब तक ऐसा रहा भारत का सफर

नई दिल्ली। गोल्डन ग्लोब अवॉड्र्स फिल्म और टेलीविजन जगत के सबसे चर्चित अवॉड्र्स में शामिल हैं। हर साल की तरह इस साल भी जनवरी में गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड आयोजित होने जा रहे हैं। 83वें गोल्डन ग्लोब अवॉड्र्स का आयोजन 11 जनवरी को लॉस एंजिल्स के बेवर्ली हिल्टन होटल में किया जाएगा। इसमें फिल्म, टेलीविजन और पहली बार पॉडकास्ट के क्षेत्र में इस साल शानदार काम करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। हालांकि, भारत में इस अवॉड्र्स समारोह का प्रसारण सोमवार यानी 12 जनवरी को सुबह छह बजे होगा। गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड में कैसा रहा भारत का सफर? किस भारतीय फिल्म या कलाकार को मिला गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड और कौनसी फिल्में व कलाकार हुए नामित।

दो आखें बारह हाथ को मिला था गोल्डन ग्लोब : साल 1944 में शुरु हुए गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड में भारत को पहली उपलब्धि साल 1957 में मिली। जब दिग्गज फिल्ममेकर वी. शांताराम की फिल्म 'दो आंखें बारह हाथ'को गोल्डन ग्लोब में नॉमिनेशन मिला। साथ ही इस फिल्म ने एक स्पेशल अचीवमेंट अवॉर्ड भी अपने नाम किया। 'दो आंखें बारह हाथ'को सैमुअल गोल्डविन अंतरराष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड मिला था।

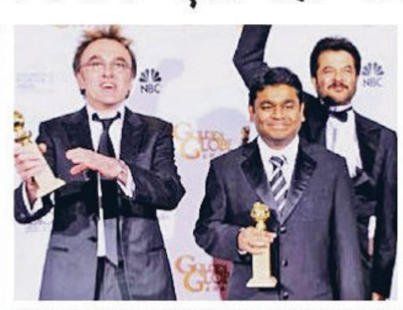

मीरा नायर की सलाम बॉम्बे और मानसून वेडिंग को मिला नॉमिनेशन : गांधी के बाद साल 1989 में मीरा नायर की फिल्म सलाम बॉम्बे को गोल्डन ग्लोब अवॉड्र्स में सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की फिल्म की कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला था। हालांकि, फिल्म यह पुरस्कार अपने नाम नहीं कर सकी थी। तब यह अवॉर्ड 'पेल द कॉन्करर' को मिला था। इसके बाद साल 2002 में एक बार फिर मीरा नायर की फिल्म मानसून वेडिंग गोल्डन ग्लोब अवॉड्र्स में सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म की कैटेगरी में नामित हुई। लेकिन, यहां भी मीरा नायर को निराशा मिली और अवॉर्ड क्राउचिंग टाइगर, हिडन ड्रैगन को मिला।

गांधी फिल्म ने लहराया था परचम : दो आंखें बारह हाथ के लगभग 26 साल बाद साल 1983 में रिचर्ड एटनबर्ग की फिल्म गांधी ने गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड में परचम लहराया था। इस फिल्म ने कई कैटेगरी में अवॉर्ड जीता था। गांधी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, निर्देशक, स्क्रीनप्ले, नया कलाकार और सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म की कैटेगरी में अवॉर्ड मिला था।

2009 में एआर रहमान बने गोल्डन ग्लोब जीतने वाले पहले भारतीय : 1983 में गांधी के अवॉर्ड जीतने के बाद भारत के लिए गोल्डन ग्लोब से अच्छी खबर सीधे 2009 में आई, जब दिग्गज संगीतकार एआर रहमान को बेस्ट ओरिजिनल म्यूजिक स्कोर की कैटेगरी में यह पुरस्कार मिला था। रहमान ने फिल्म स्लमडॉग मिलेनियर के लिए इस अवॉर्ड को अपने नाम किया था। इसके साथ ही एआर रहमान व्यक्तिगत रूप से गोल्डन ग्लोब जीतने वाले पहले भारतीय भी बने।

दुनियाभर में इस एक्ट्रेस के नाम का डंका बजा, नाम था मनोरमा

घरों में झाड़ू-पोछा करने वाली, फिल्मों में बनाए रिकॉर्ड, गिनीज बुक में नाम

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा में ऐसे कई नगीने उभरे हैं, जिन्होंने मुफलिसी में जिंदगी गुजारी, पेट पालने के लिए फाके करने पड़े, पर कड़ी मेहनत से न सिर्फ अपनी किस्मत की लकीरें सुधारीं, बल्कि दुनियाभर में देश का नाम रोशन किया। ऐसी ही एक कलाकार रहीं, जिनके बारे में बता रहे हैं। फिल्मों में आने से पहले यह एक नौकरानी थी। लोगों के घरों में जाकर जूठे बर्तन मांजती और साफ-सफाई करती थी, पर जब फिल्मों में आई तो हर कोई इसका हुनर देख दंग रह गया। दुनियाभर में इस एक्ट्रेस के नाम का डंका बजा। नाम था मनोरमा, जिन्हें प्यार से 'आची मनोरमा' भी कहा जाता था। इन्होंने अपने कॅरियर में पांच-पांच मुख्यमंत्रियों संग काम किया था। हालांकि, उनका असली नाम गोपीशांता था।

गरीबी में जन्मा एक सितारा जो दुनिया भर में चमका

आची मनोरमा तमिलनाडु के मन्नारगुड़ी में एक गरीब परिवार में पैदा हुई थीं। परिवार की स्थिति ऐसी नहीं थी कि भरपेट खा सकें। इसलिए मां नौकरानी का काम किया करती थीं। मनोरमा ने अपने करियर में 1500 से अधिक फिल्में कीं और 5 हजार से ज्यादा स्टेज शोज किए थे। उन्होंने कई टीवी सीरियलों में भी काम किया और नेशनल अवॉर्ड भी जीता। उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉड्र्स तक में दर्ज किया गया। हालांकि, यहां तक का सफर बहुत टेढ़ा-मेढ़ा और कठिनाइयों भरा था, जिसकी शुरुआत मां की जानलेवा बीमारी के साथ हो चुकी थी।

घरों में नौकरानी बन गई

मनोरमा की मां को कैंसर था। वह लोगों के घरों में नौकरानी का काम करती थीं, पर बीमारी की वजह से वह काम भी छूट गया और भूखे मरने की नौबत आ गई। मनोरमा ने जब देखा की मां को खून की उल्टियां हो रही हैं, तो वह टूट गई थीं। उस वक्त वह सिर्फ 11 साल की थीं, पर उन्होंने नन्ही सी उम्र में ही घर का भार संभाल लिया। मनोरमा ने स्कूल जाना छोड़ दिया और घर-घर जाकर बर्तन साफ करने और चूल्हे-चौके का काम शुरू कर दिया। उससे जो पैसे मिलते, उनसे घर का गुजारा चलता। लेकिन मां का इलाज तब भी नहीं हो पा रहा था क्योंकि आमद इतनी नहीं थी।

मुख्यमंत्रियों संग कीं फिल्में, कभी वो थे एक्टर

मनोरमा एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने अपने कॅरियर में पांच मुख्यमंत्रियों के साथ काम किया था। ये थे- एनटी रामाराव, एन अन्नादुरई, जयललिता, एम.जी. रामाचंद्रन और एम करुनानिधि। दरअसल, ये सभी मुख्यमंत्री बनने और राजनीति में आने से पहले फिल्मों में एक्टिव थे। उसी दौरान मनोरमा ने इन सभी के साथ फिल्में की थीं। मनोरमा ने 1960 तक तो फिल्मों में हर तरह के किरदार निभाए और एक्टिंग की, लेकिन फिर वह कॉमेडी रोल करने लगीं। इसके बाद तो उनके करियर को और नई जिंदगी मिली। कॉमेडी में मनोरमा को खूब पसंद किया गया।

इस शख्स का एहसान मानती थीं

मनोरमा ने एक बार हमारे सहयोगी 'ईटाइम्स' को दिए इंटरव्यू में कहा था कि अगर एक्टर कनादासन नहीं होते, तो वह भी जिंदा नहीं होतीं। उन्होंने ही एक्ट्रेस से कहा था कि अगर सिर्फ एक्टिंग की करती रहोगी तो इंडस्ट्री वाले कुछ साल में ही बाहर उठाकर फेंक देंगे, और कॉमेडी करोगी तो बहुत आगे तक जाओगी। मनोरमा ने करीब 57 साल तक फिल्मों में काम किया, एक्टिंग की और ढेरों गाने गाए। उन्होंने लगभग सभी पॉपुलर म्यूजिक डायरेक्टर्स के लिए गाने गाए।

ऐसे मिला था एक्टिंग का मौका, सिंगर भी कमाल की

ऐसे में तब मनोरमा ने कुछ और काम करने की भी सोची। उसी दौरान एक नाटक मंडली उनके गांव में आई। बताया जाता है कि उस मंडली की हीरोइन गाना नहीं गा पा रही थी। मनोरमा ने गाने की पेशकश की। उन्होंने गाना गाया और इस तरह 11 साल की उम्र में ही एक्टिंग के साथ-साथ सिंगर के तौर पर भी शुरुआत हो गई। मनोरमा एक अच्छी एक्ट्रेस होने के साथ-साथ कमाल की सिंगर भी थीं, और इसी से उनके लिए फिल्मी दुनिया के रास्ते खुले।

1500 से ज्यादा फिल्में गिनीज बुक में दर्ज नाम

मनोरमा को नाटक मंडली में काम करते हुए पहली फिल्म 'इनबावाज्वु' मिली और वह छा गईं। इसके बाद उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई। मनोरमा ने एक के बाद एक 1500 से अधिक फिल्मों में काम किया। इसी के कारण उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉड्र्स में दर्ज किया गया।

स्थानांतरण पश्चात एएसपी, सीएसपी एवं एसडीओपी को पुलिस परिवार ने दी विदाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में बेहतर पुलिसिंग कर सदैव अपने कार्यो के प्रति जवाबदेह रहे एएसपी संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी को स्थानान्तरण पश्चात पुलिस परिवार के द्वारा सोमवार को विदाई देते हुए स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

विदित हो कि बीते दिन श्री महतो का अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुलिस मुख्यालय रायपुर, श्री पैंकरा का डीएसपी यातायात जिला रायपुर व श्री पुजारी का डीएसपी बालक विरूद्ध अपराध अन्वेषण शाखा जिला कोण्डागांव के पद पर स्थानांतरण हुआ है। विदाई सम्मान समारोह में एसएसपी प्रशांत ठाकुर ने कहा कि स्थानान्तरित हो रहे तीनों अधिकारी अच्छे पुलिस अधिकारी है जिन्होंने बेहतर समन्वय बनाकर अपने पदीय कर्तव्यों का निर्वहन लगन व सतर्कता के साथ निभाया। जिले में बेहतर कार्य कर अपनी विशेष पहचान बनाई तथा पुलिस के अभियानों में इनकी सक्रियता दिखती थी इससे लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास और बढ़ा है। डीआईजी व एसएसपी ने तीनों अधिकारियों को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी।

इस दौरान नवपदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, डीएसपी अनूप एक्का, रीना नीलम कुजूर, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर, थाना-चौकी प्रभारीगण मौजूद रहे।

मकर संक्रांति पर आज जिले के रकसगनडा जलप्रपात में लगेगा भव्य मेला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर, बिहरपुर । प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मकर संक्रांति के पावन अवसर पर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध रकसगनडा जलप्रपात घाट पर आज विशाल मेले का आयोजन किया गया है। यह मेला न केवल सूरजपुर जिले, बल्कि आसपास के जिलों और पड़ोसी राज्यों के लिए आस्था, परंपरा और सामाजिक मेल-जोल का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है। हर वर्ष मकर संक्रांति के दिन यहां श्रद्धालुओं, पर्यटकों और व्यापारियों की भारी भीड़ उमड़ती है, जिससे पूरा क्षेत्र मेले की रौनक और उत्सव के रंग में रंग जाता है। मकर संक्रांति का पर्व सूर्य के उत्तरायण होने का प्रतीक है और इसे भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व प्राप्त है। इसी धार्मिक मान्यता के चलते रकसगनडा जलप्रपात घाट पर हजारों श्रद्धालु तड़के सुबह से ही पहुंचना शुरू कर देते हैं। श्रद्धालु जलप्रपात के पवित्र जल में स्नान कर सूर्य देव की पूजा-अर्चना करते हैं और परिवार की सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना करते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार, मकर संक्रांति के दिन रकसगनडा जलप्रपात में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और कष्टों से मुक्ति मिलती है।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ-साथ मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, पर्यटक और व्यापारी रकसगनडा मेले में शामिल होंगे। दूर-दराज के गांवों और कस्बों से लोग परिवार सहित यहां पहुंचते हैं। कई लोग तो एक दिन पहले ही पहुंचकर आसपास ठहरते हैं, ताकि मकर संक्रांति के दिन तड़के स्नान कर सकें। यह मेला क्षेत्रीय संपर्क और आपसी भाईचारे का बड़ा

आयोजन को लेकर की गई है व्यापक तैयारियां

उदाहरण भी है, जहां अलग-अलग राज्यों की संस्कृति और परंपराएं एक साथ देखने को मिलती हैं।

व्यापार और रोजगार का बड़ा केंद्र

रकसगनडा जलप्रपात पर लगने वाला मेला स्थानीय व्यापारियों के लिए आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। मेले में स्थानीय दुकानदारों के साथ-साथ बाहरी राज्यों से आए व्यापारी भी अपनी दुकानें सजाते हैं। खानपान, मिठाई, तिल-गुड़ से बने पारंपरिक व्यंजन, खिलौने, बर्तन, कपड़े, श्रृंगार सामग्री, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, कृषि उपकरण सहित अनेक प्रकार की दुकानों की कतारें लगती हैं। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलते हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। मेले में केवल खरीदारी ही नहीं, बल्कि मनोरंजन के भी भरपूर साधन उपलब्ध रहते हैं। बच्चों और युवाओं के लिए झूले, चरखी, खेल-तमाशे और खिलौनों की दुकानें मेले की खास पहचान होती हैं। वहीं लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर सजे सांस्कृतिक कार्यक्रम ग्रामीण अंचल की लोक संस्कृति को जीवंत कर देते हैं। बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक, हर वर्ग के लोग मेले का भरपूर आनंद लेते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य बढ़ाता है मेले की शोभा

रकसगनडा जलप्रपात अपने आप में एक प्राकृतिक धरोहर है। चारों ओर हरियाली, पहाड़ों से गिरता जल और प्राकृतिक वातावरण मेले को और भी आकर्षक बना देता है। मकर संक्रांति के दिन जब बड़ी संख्या में लोग एक साथ इस प्राकृतिक स्थल पर एकत्र होते हैं, तो आस्था और प्रकृति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यही कारण है कि यह मेला धार्मिक के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

मेले में संभावित भीड़ को देखते हुए स्थानीय प्रशासन एवं आयोजन समिति द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या दुर्घटना से बचा जा सके। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने, पार्किंग की सुविधा, साफ-सफाई, पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा जैसी आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। पुलिस बल एवं स्वयंसेवकों की तैनाती भी की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

रकसगनडा जलप्रपात पर लगने वाला मकर संक्रांति मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता और आपसी सौहार्द का भी प्रतीक है। इस मेले में अलग-अलग जाति, वर्ग और समुदाय के लोग एक साथ शामिल होते हैं। लोग एक-दूसरे से मिलते हैं, हालचाल पूछते हैं और खुशियां साझा करते हैं। यही कारण है कि यह मेला वर्षों से क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है। मेले को लेकर चांदनी बिहारपुर सहित आसपास के गांवों में कई दिनों पहले से ही उत्साह का माहौल है। घरों में साफ-सफाई, नए कपड़े, पारंपरिक पकवानों की तैयारी और मेले में जाने की योजनाएं बनाई जाती हैं। बच्चों में मेले को लेकर विशेष उत्साह देखा जाता है, वहीं बुजुर्ग इसे परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण अवसर मानते हैं।

पर्यटन को मिलता है बढ़ावा

रकसगनडा मकर संक्रांति मेला क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा देता है। बाहर से आने वाले पर्यटक न केवल मेले का आनंद लेते हैं, बल्कि आसपास के प्राकृतिक स्थलों और ग्रामीण संस्कृति से भी रूबरू होते हैं। इससे क्षेत्र की पहचान राज्य स्तर पर और मजबूत होती है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रकसगनडा जलप्रपात घाट पर मकर संक्रांति के दिन भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या को देखते हुए आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

यह मेला न केवल सूरजपुर जिले, बल्कि पूरे अंचल की पहचान बन चुका है, जहां हर वर्ष मकर संक्रांति के दिन उत्सव, उल्लास और आस्था की अद्भुत झलक देखने को मिलती है।

सुदृढ़ सड़कें ग्रामीण विकास की आधारशिला : मंत्री लक्ष्मी

मंत्री लक्ष्मी ने किया 15.50 करोड़ की लागत से बनने वाले सड़क निर्माण कार्य हेतु पूजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री और भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मंगलवार को जिले में 15.50 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले तीन महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण कार्य हेतु आयोजित पूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं। इन कार्यों के शुभारंभ से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा सुदृढ़ होगी और विकास को नई गति मिलेगी। मंत्री श्रीमती राजवाड़े अपने गृह ग्राम बीरपुर से कसलगिरी सड़क निर्माण कार्य के कार्यप्रारंभ पूजन में ग्राम कसलगिरी, पंचायत भवन के पास सम्मिलित हुईं। इसके पश्चात उन्होंने ग्राम केंवटाली से सुन्दरपुर सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ अवसर पर ग्राम केंवटाली चौक में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की। वहीं ग्राम गंगौटी से शिवपुर सड़क निर्माण कार्य के कार्यप्रारंभ पूजन कार्यक्रम में ग्राम शिवपुर, यादव पारा में भी मंत्री श्रीमती राजवाड़े सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर मंत्री लक्ष्मी ने कहा कि सुदृढ़ सड़कें ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं। इन मार्गों के निर्माण से ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी, किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को लाभ होगा तथा

स्वास्थ्य, शिक्षा और बाजार तक पहुंच आसान होगी।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांव, गरीब और वंचित वर्ग के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। अधोसंरचना विकास के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण कार्यों के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार के प्रति आभार प्रकट किया।

जिपं सीईओ ने योजनाओं के प्रगति की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले ने समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने धान खरीदी केंद्रों में चल रही धान खरीदी की स्थिति तथा अवैध धान पर की जा रही कार्यवाही की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए श्री पाटले ने स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं, सेवाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। वहीं आदिवासी विकास विभाग अंतर्गत छात्रावासों की स्थिति, भवनों की अवस्था तथा बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। शिक्षा विभाग की समीक्षा में

निर्माणाधीन स्कूल भवनों की प्रगति, विद्यार्थियों की परीक्षा तैयारी सहित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं पर चर्चा की गई। इसके साथ ही एसआईआर अंतर्गत नो-मैपिंग मतदाताओं की स्थिति की भी समीक्षा करते हुए प्रगति की जानकारी ली।महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित पोषण कार्यक्रम की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अलावा जनदर्शन में प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों की समीक्षा कर उनके शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए गए। इसके अलावा बैठक में आगामी 17 जनवरी को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संभावित सूरजपुर दौरे की तैयारियों तथा 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह की व्यवस्थाओं को लेकर भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

उत्कृष्ट कार्य पर एसएसपी ने जिले के 56 पुलिस अधिकारी व जवानों को किया सम्मानित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में बीते वर्ष उत्कृष्ट कार्य करने वाले 56 पुलिस अधिकारी व जवानों एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने प्रशिस्त पत्र देकर सम्मानित किया है। जिनमें 3 निरीक्षक, 2 एसआई, 6 एएसआई, 9 प्रधान आरक्षक, 35 आरक्षक व 1 महिला आरक्षक शामिल है।

वर्ष 2025 के दौरान जिले में पुलिसिंग को लेकर उत्कृष्ट कार्य कर सम्मानित होने वालों में कोतवाली प्रभारी विमलेश दुबे, विश्रामपुर प्रभारी प्रकाश राठौर, झिलमिली प्रभारी नसीमुद्दीन, चंदौरा प्रभारी मनोज सिंह व प्रेमनगर थाना प्रभारी विराट विसी, चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल, चौकी प्रभारी खड़गवां रघुवंश सिंह, चौकी प्रभारी उमेश्वरपुर संजय सिंह यादव, चौकी प्रभारी तारा संजय गोस्वामी, यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय, साइबर सेल प्रभारी राकेश यादव, प्रधान आरक्षक आनंद सिंह, उदय सिंह, मनीष पन्ना, जितेन्द्र

सोनवानी, शिवकुमार बेक, प्रदीप पटेल, पुष्पराज राय, सुरेश सूर्यवंशी, आशीष श्रीवास्तव, आरक्षक संतोष सोनी, योगेश्वर सिंह, विजय राजवाड़े, कमलेश यादव, जेठूराम सोनवानी, मनोज ठाकुर, हरि एक्का, रीझमन भगत, रौशन सिंह, पंकज सिंह, मिथलेश प्रजापति, शशिकांत मिश्रा, अनिल लकड़ा, विनय दान, राजीव गवेल, वसीम राजा, नवीन बेक, विनोद सारथी, संजय कुमार, राजेन्द्र कंवर, बलदेव सिंह, जीवन साहू, महेन्द्र प्रताप सिंह, रामकुमार नायक, विकास पटेल, ललन सिंह, अभय तिवारी, इन्द्रजीत सिंह, रावेन्द्र पाल, अमलेश्वर सिंह, चंदन सिंह, राजमोहन राजवाड़े, पारसनाथ सिंह, रविराज पाण्डेय, युवराज यादव व महिला आरक्षक रौशनी सिंह शामिल है। इस दौरान नवपदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, एएसपी संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, डीएसपी अनूप एक्का, रीना नीलम कुजूर, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर, थाना चौकी प्रभारीगण मौजूद रहे।

नवपदस्थ एएसपी ने संभाला पदभार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के नवपदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

योगेश देवांगन ने सोमवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर से सौजन्य मुलाकात के उपरान्त उन्होंने विधिवत् पदभार ग्रहण किया और जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा पुलिसिंग को और अधिक मजबूत करने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

विदित हो कि एएसपी योगेश देवांगन 2013 बैच के राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी है। इसके पूर्व वें उप सेनानी 17वीं वाहिनी छसबल कर्वधा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला जगदलपुर में अपनी सेवाएं दी है।

श्री सर्वेश्वरी समूह द्वारा मनाया गया माँ मैत्रेयणी देवी का महानिरावण दिवस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। श्री सर्वेश्वरी समूह के तत्वावधान में परम पूज्य माँ मैत्रेयणी देवी का महानिरावण दिवस मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति एवं सेवा भाव के साथ मनाया गया। यह पावन आयोजन सूरजपुर जिले के विद्युतविहीन दुरांचल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चोंगा स्थित आदर्श पब्लिक स्कूल परिसर में संपन्न हुआ। महानिरावण दिवस के अवसर पर परम पूज्य अघोरेश्वर महाप्रभु अवधूत भगवान राम जी की माताश्री माँ मैत्रेयणी देवी जी की स्मृति में विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पूज्यपाद बाबा गुरुपद संभव राम की कृपा से तथा बिहारीराम बाबा एवं शशि देवी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर सेवा कार्य के अंतर्गत विद्यालय में अध्ययनरत 90 बालिका एवं बालकों को हिंदी-इंग्लिश बालपोथी पुस्तकें, पेंसिल एवं खिचड़ी महाप्रसाद का वितरण किया गया। सेवा कार्य से बच्चों के चेहरे पर प्रसन्नता झलक उठी और पूरे परिसर में आध्यात्मिक एवं सकारात्मक वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से माँ मैत्रेयणी देवी के त्याग, तपस्या एवं मातृत्व भाव को स्मरण करते हुए समाज में सेवा, संस्कार एवं करुणा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर लक्ष्मण जायसवाल, तुलसी जायसवाल, विजेंद्र मिश्रा, रेखा शुक्ला, ममता जायसवाल सहित अन्य समाजसेवी एवं श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

चौपाल लगाकर कुरुवां में कई गु केटेगरी सी के 73 प्रकरणों की सुनवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एसआईआर कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में मतदाता सूची अद्यतन करने की प्रक्रिया पर तेजी से कार्यवाही की जा रही है।अनमैप मतदाताओं के दस्तावेजों का सत्यापन कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत सूरजपुर एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल की उपस्थिति में ग्राम कुरुवा में मंगलवार को चौपाल लगाकर एसआईआर केटेगरी सी के 73 प्रकरणों की सुनवाई की गई। चौपाल में नो मैपिंग, लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी व मिस्मैच से संबंधित लंबित मामलों पर भी आवश्यक कार्यवाही की गई।

शांतिनगर स्थित सुने मकान में चोरों की दबिश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत शिवनंदनपुर के शांतिनगर में बीती रात अज्ञात चोरों ने सुने घर को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। पड़ोसियों की सूचना पर मौके पर पहुंच पुलिस ने वस्तुस्थिति को विवेचना कर रही है। गृहस्वामी के वापस लौटने के बाद चोरी गए समानों का वास्तविक आंकड़ा पता चलने की बात कही जा रही है। नगर पंचायत शिवनंदनपुर के शांतिनगर निवासी रमाकांत शुक्ला जो 20-22 दिन पूर्व अपने बेटे के पास मिलने सपरिवार गए थे। उन्होंने घर में ताला बंद कर पड़ोसियों को घर की निगरानी करने जिम्मेदारी दी थी।मंगलवार प्रातः पास पड़ोसियों ने देखा कि उनके घर का ताला टूटा है। तब उन्होंने इसकी सूचना रमाकांत शुक्ला को फोन कर दी।बाद में पुलिस को भी मामले से अवगत कराया गया। बिश्रामपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण कर मकान मालिक से फोन पर आवश्यक पूछताछ कर रही है। यहां पर नगदी समेत लाखों रुपए के चोरी होने की आशंका जताई जा रही है लेकिन मकान मालिक के वापस लौटने उपरांत सही आंकड़ा मिलने की बात कही जा रही है।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं उप वनमण्डलाधिकारी, उप वनमण्डल उदयपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सरगुजा वनमण्डल अंतर्गत उदयपुर उपवनमण्डल के वन परिक्षेत्र उदयपुर में दिनांक 06.04.2024 को गश्ती के दौरान वन परिक्षेत्र उदयपुर के वन कर्मचारियों द्वारा मारूती सुजुकी अल्टो एल.एस.कार, वाहन क्रमांक CG15 B 0726 में लोड राष्ट्रीयकृत अवैध वनोपज साल प्रजाति चिरान 07 नग= 0.155 घनमीटर सहित स्थान कटिंदा में पकड़ा गया। अवैध वनोपज के अवैध रूप से परिवहन में लिप्त पाये जाने के कारण परिसर रक्षक मानपुर द्वारा भारतीय वन अधिनियन 1927 की धारा 52 (1), धारा 33 (1), धारा 41 (1) एवं छ.ग. वनोपज व्यापार (विनियमन) अधिनियम 1969 की धारा 5 (1) ग के तहत् जप्ती की कार्यवाही करते हुए वन अपराध प्रकरण क्रमांक 11042/13 दिनांक 06.04.2024 पंजीबद्ध किया गया। जिसकी सूचना वन परिक्षेत्राधिकारी उदयपुर द्वारा उनके पत्र क्रमांक/419 दिनांक 07.04.2024 के माध्यम से प्राधिकृत अधिकारी एवं उपवनमण्डलाधिकारी उदयपुर को दी गई।

प्रस्तुतकर्ता अधिकारी एवं वन परिक्षेत्राधिकारी उदयपुर द्वारा प्रकरण की जांच परिक्षेत्र सहायक उदयपुर से कराया गया। तत्पश्चात् जांच प्रतिवेदन प्राधिकृत अधिकारी एवं उप वनमण्डलाधिकारी उदयपुर के कार्यालय में राजसात किये जाने की अनुशंसा सहित प्रस्तुत किया गया।

प्रकरण अंतर्गत क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अम्बिकापुर जिला अम्बिकापुर (छ.ग.) को वाहन स्वामी का नाम एवं पता प्राप्ति हेतु पत्र लेख किया गया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अम्बिकापुर जिला अम्बिकापुर (छ.ग.) द्वारा उक्त वाहन के पंजीकृत स्वामी संबंधी जानकारी नहीं दिया गया। जांच प्रकरण में संलग्न दस्तावेज अनुसार जप्त वाहन के स्वामी को कारण दर्शाओ सूचना पत्र जारी कर पर्याप्त अवसर दिया गया परन्तु वाहन स्वामी उपस्थित नहीं हुए।

अतः इस सूचना के माध्यम से अवसर देते हुए सूचित किया जाता है कि उक्त जप्त वाहन में वाहन स्वामी या जिस किसी का भी हित निहित हो, अपने स्वामित्व संबंधी समस्त वैधानिक दस्तावेजों सहित दिनांक 16.02.2026 तक या इसके पूर्व किसी भी कार्यालयीन दिवस को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात् कोई दावा मान्य नहीं होगा एवं उपरोक्त जप्त वाहन शासन के पक्ष में राजसात कर दी जावेगी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं
उप वनमण्डलाधिकारी
उप वनमण्डल उदयपुर (छ.ग.)

जी-252605961/1

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक 202601020700073

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सन् :- 2025-2026

फुन्दुरडिहारी प.ह.न. 00016 [434/14 (0.0270हे0)

पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार सीता गोयल,
अनावेदक पक्षकार -वृन्दावन गृह निर्माण,

ईश्तहार

आवेदिका सीता गोयल पुत्री नान्हू राम गोयल पति विशन कुमार गोयल निवासी हाल मुकाम न्यू शांति नगर रायपुर स्थाई पता केदारपुर अम्बिकापुर की ओर से मुख्तारनामा उमेश अग्रवाल आ०लालचन्द अग्रवाल निवासी सूरजपुर छ०ग० के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 434/1 वर्तमान खसरा नंबर 434/14 में से रकबा 50X60-3000 वर्गफीट भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 30-11-1987 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 04/02/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

मनरेगा कानून पर हमला कर केंद्र सरकार गरीबों के हक पर कर रही हमला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। मनरेगा में संशोधन करके केंद्र सरकार द्वारा गरीब परिवार के हक पर हमला किया जा रहा है। यूपीए सरकार द्वारा गरीबों को मनरेगा का एक महत्वपूर्ण कानून देकर बड़ा अधिकार दिया गया था, जिसे अब खत्म करने की साजिश की जा रही है। उक्त बातें कांग्रेस पार्टी की छत्तीसगढ़ सह प्रभारी जरिता लैतफ्लांग ने ग्राम पंचायत जयनगर व रामनगर में मनरेगा बचाओ संघर्ष अभियान के तहत आयोजित चौपाल कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा आम लोगों के साथ विश्वासघात किया जा रहा है। आज देश में बेरोजगारी, महंगाई, चरम पर पहुंच गई है लेकिन भाजपा की डबल इंजन सरकार केवल कोरे आश्वासन देकर लोगों को गुमराह कर रही है। उन्होंने

कहा है आज किसानों के रकबे काटकर धान खरीदी से खुद को बचाकर किसानों को आर्थिक व मानसिक नुकसान पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। विकास कार्य भी केवल कागजी कोरमपूर्ति ही दिखाई पड़ रहे हैं। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशि सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने गरीबों के हक की मनरेगा योजना को समाप्त करने का जो प्रयास किया जा रहा है वह पूरी तरह अनुचित है। कांग्रेस पार्टी इसको लेकर गरीब मजदूरों के हक में सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ रही है। आप सभी को जागरूक होने की आवश्यकता है। चौपाल कार्यक्रम को पूर्व भटगांव विधायक पारसनाथ राजवाड़े, दानिश रफीक, जेपी श्रीवास्तव, संजय डोसी व अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया।

इस दौरान मेंहदी यादव, इस्माइल खान, नरेंद्र जैन, वेद प्रकाश मिश्र, मो.शमीम पलिहा, रूपनारायण राजवाड़े, अफरोज, झूनेश्वर राजवाड़े, विनय मिश्रा, विक्की समद्दार, कुंदन विश्वकर्मा, मनोज राजवाड़े, संतोष पावले, दुर्गा टेकाम, सुंदर दास, नारायण दास, मोती दास, निर्मल साहू, दिनेश गुप्ता व अन्य उपस्थित थे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555 9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

पीएम श्री विद्यालय में खतरे के बीच बच्चों का गढ़ रहे भविष्य

भवन के झुकाव से धनुषाकार हुई खिड़कियां, पिलर के छड़ तक बाहर झांक रहे

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के शासकीय नगर पालिक स्कूल प्रांगण में स्थित लगभग ढाई दशक पुराने जर्जर भवन में कक्षा पहली से 5वीं तक के बच्चे खतरे के बीच शिक्षा ले रहे हैं। हर वर्ष मेंटेनेंस के नाम पर खानापूर्ति हो रही है, लेकिन भवन की खस्ताहालत में बदलाव नहीं आ पाना मुश्किल है। वार्ड पार्षद की ओर से सुशासन तिहार से लेकर निगम की सामान्य सभा में इस मुद्दे को उठाया गया, लेकिन स्थिति में तब्दीली नहीं आई है, और न ही नए भवन निर्माण की किसी प्रकार की कार्ययोजना ही बन पाई है। भवन में लगी खिड़कियों के रॉड तक धनुषाकार हो गए हैं, इसकी चिंता किसी को नहीं है।

बता दें कि गुरूद्वारा वार्ड क्रमांक 36 में नगर पालिक स्कूल प्रांगण में पानी टंकी के पास झानस्थली योजनान्तर्गत भवन का निर्माण कराया गया है, जिसमें पहले नगर पालिक निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का संचालन होता था। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में इस भवन का उपयोग स्वामी आत्मानन्द स्कूल इंग्लिश मीडियम स्कूल के लिए किया जाना था। इसके अनुरूप इस भवन में सुविधाएं सुनिश्चित करने की तैयारी चल रही थी। सरकार बदलने के बाद यहां स्वामी आत्मानन्द स्कूल तो नहीं खुल पाया, बाद में इसे पीएम श्री शासकीय प्राथमिक शाला में तब्दील कर दिया गया, जिसमें कक्षा पहली से पांचवीं तक के 45 बच्चे वर्तमान में अध्ययनरत हैं। भवन की खराब हालत को देखकर आसपास रहने वाले भी भावी खतरे को लेकर सशंकित रहते हैं। दो मंजिला भवन की नींव व पिलर के छड़ तक बाहर नजर आ रहे हैं। इस भवन में वर्ष 2004 में बने अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कराया गया था, जिसका लोकार्पण तत्कालीन सांसद सरगुजा नन्द कुमार साय और अंबिकापुर विधायक कमलभान सिंह के द्वारा 20 जुलाई 2004 को किया गया था। भवन की दिनोंदिन खराब होती स्थिति और एक ओर बढ़ते झुकाव से बैंड हो रही खिड़कियां व पिलर से बाहर झांकते छड़ से बनी खतरे की स्थिति को देखते हुए वार्ड पार्षद ने इस ओर सुशासन तिहार में आवेदन देकर ध्यान दिलाया था, इसके बाद मेंटेनेंस के नाम पर खानापूर्ति की गई, लेकिन खतरे का आभास कराते भवन का उपयोग किया जाए या नहीं, इस दिशा में किसी प्रकार की ठोस निर्णय नहीं लिया गया। लगभग दो माह पूर्व हुई नगर निगम की सामान्य सभा में भी जर्जर होते भवन की ओर जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान दिलाया गया, जिस पर जांच टीम गठित करने की बात कही गई। इसके बाद लोक निर्माण विभाग के ई, एसडीओ से पत्र व्यवहार करने की बातें ही सामने आई है।

मरम्मत के नाम पर छह लाख खर्च

वार्ड पार्षद मेराज गुड्डू ने बताया कि इस भवन में लोक निर्माण विभाग द्वारा दो बार में लगभग 6 लाख रुपये मेंटेनेंस के नाम पर खर्च किया गया है, लेकिन भवन को जर्जर स्थिति से उबारने की वास्तविक पहल नहीं हुई है। खिड़की, दरवाजे को बदलने मात्र से भवन की जर्जर हालत में सुधार नहीं हो सकता। भवन का झुकाव जिस प्रकार एक ओर हो रहा है, इसे देखते हुए ठोस पहल की जरूरत है। उन्होंने बताया कि फिलहाल भवन के ग्राउंड फ्लोर का उपयोग ही बच्चों की पढ़ाई के लिए किया जा रहा है, क्योंकि ऊपरी माले की स्थिति तो अत्यंत ही दयनीय है। सामने से रंग-रोगन होने के कारण भले ही इस भवन की जर्जर स्थिति नजर नहीं आती हो, लेकिन गुरुद्वारा गली की ओर से भवन की वास्तविक स्थिति का आंकलन किया जा सकता है।

भवन में 45 बच्चे ले रहे शिक्षा

पीएम श्री शासकीय प्राथमिक शाला की प्रधानपाठक प्रतिमा सिंह ने बताया कि वर्तमान में स्कूल में कक्षा पहली से पांचवीं तक 45 बच्चे शिक्षा ले रहे हैं। ठंड के मौसम को देखते हुए जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार स्कूल का संचालन फिलहाल सुबह 8.30 बजे से 12 बजे तक किया जा रहा है।

विवेकानंद जयंती पर महामना मालवीय मिशन सरगुजा का आयोजन

भारतीय संस्कृति के संवाहक-स्वामी विवेकानंद

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महामना मालवीय मिशन अंबिकापुर इकाई द्वारा 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती उल्लास के साथ मनाया गया। मिशन के सदस्यों ने घड़ी चौक पर स्थित स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उन्हें याद किया। मालवीय भवन में भारतीय संस्कृति के संवाहक स्वामी विवेकानंद विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। मिशन के संरक्षक हरिशंकर त्रिपाठी ने स्वामी विवेकानंद के महान व्यक्तित्व को उजागर करते हुए कहा कि शिकागो धर्म महासभा में उनके द्वारा दिए गए भाषण की गहराई को हर किसी को समझने की आवश्यकता है, जिसमें धर्म का वास्तविक मर्म छिपा हुआ है। धर्म महासभा में उत्तर देते हुए विवेकानंद ने कहा था कि मैं एक ऐसे धर्म का अनुयायी होने में गर्व का अनुभव करता हूं, जिसने संसार को सहिष्णुता तथा सार्वभौम स्वीकृति, दोनों की ही शिक्षा दी है। हम लोग सभी धर्मों के प्रति केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते, वरन् समस्त धर्मों को सच्चा मानकर स्वीकार करते हैं। मुझे एक ऐसे देश का व्यक्ति होने का अभिमान है, जिसने इस पृथ्वी के समस्त धर्मों और देशों के उत्पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है। मिशन के महासचिव जय प्रकाश चौबे ने स्वामी विवेकानंद को समर्पित कविता का सस्वर पाठ किया और कहा कि युग पुरुष विवेकानंद के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उठो, जागो और तब तक मत रूको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए का मंत्र देकर उन्होंने देशवासियों में उत्साह भर कर नवजागरण का कार्य किया। विवेकानंद की जयंती उनकी याद में युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। पं. रामनारायण शर्मा ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में विवेकानंद को महान संत निरूपित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन के ज्ञाता, अत्यन्त ओजस्वी वक्ता, निडर और साहसी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने सामाजिक समरसता तथा धर्म एवं विज्ञान के समन्वय को महत्व दिया। समाजसेवी जितेन्द्र सिंह सोढ़ी ने कहा कि मानवता की सेवा ही सच्चा धर्म है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद द्वारा अपने गुरु भाईयों को लिखे पत्र का वाचन किया। इप्टा के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रीतपाल सिंह अरोरा ने देश की तत्कालीन एवं वर्तमान परिस्थितियों का जिक्र करते हुए स्वामी विवेकानंद के संबंध में रोचक प्रसंगों का वर्णन किया। सभा को वरिष्ठ साहित्यकार वेद प्रकाश अग्रवाल, दुर्गा प्रसाद तिवारी, जय गुप्ता ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश कश्यप ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. व्ही.के. सिंह ने किया। इस मौके पर सुधि साहित्य प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खाना बनाते समय जली विवाहिता की इलाज दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खाना बनाते समय साड़ी में लगी आग से विवाहिता जल गई, लम्बे समय तक चले इलाज के बीच उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक जशपुर जिले के नारायणपुर थाना अंतर्गत ग्राम बरडांड निवासी गुरवारी बाई पति भिनसारो पहाड़ी कोरवा 45 वर्ष, दिसम्बर माहांत में अपने घर में खाना बना रही थी, उसका पति बस्ती की ओर घूमने के लिए गया था। शाम को लगभग 6 बजे उसकी लड़की शनियारो बाई अपने पिता को बताई कि माँ के साड़ी में आग लग गया है। पति घर पहुंचा तो उसकी बड़ी लड़की आग बुझा चुकी थी, लेकिन कमर से नीचे का हिस्सा पूरी तरह से जल गया था। स्वजन शासकीय एम्बुलेंस से उसे लेकर कुनकुरी स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे, यहां से प्राथमिक उपचार के बाद रेफर करने पर 31 दिसम्बर 25 को जिला अस्पताल जशपुर में भर्ती कराए थे। स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर चिकित्सक ने महिला को 6 जनवरी को रेफर कर दिया था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में उपचार के दौरान महिला की 13 जनवरी को सुबह 10.10 बजे मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

विवि के सभागार में राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के सिटी भवन दर्रीपारा कैंपस के पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागृह में राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजेंद्र लाकपाले, संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी रहे। विशिष्ट वक्ता के रूप में स्वामी तन्मयानंद महाराज, स्वामी विवेकानंद आश्रम एवं विशिष्ट वक्ता समाजसेवी कांत दुबे उपस्थित थे। इस मौके पर राजकीय गीत एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत का गायन किया गया। स्वागत उद्बोधन डॉ. समन नारायण उपाध्याय, सहायक प्राध्यापक विधि विभाग ने दिया। स्वामी तन्मयानंद महाराज ने अपने उद्बोधन में स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़े अनेक प्रसंगों के माध्यम से छात्रों को अवगत कराया, साथ ही उन्होंने स्वामी विवेकानंद के द्वारा शिकागो में दिए गए भाषण एवं उनसे जुड़े कई रोचक एवं प्रेरक जानकारी साझा किए। विशिष्ट वक्ता कांत दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद के अनुसार देशभक्ति के तीन पैमाने हैं। पहला देश की समस्याओं की पहचान होना, दूसरा समस्याओं के समाधान का चिंतन और तीसरा उस समस्या पर स्वयं द्वारा किया गया कार्य। उन्होंने विदेशों में भी स्वामी विवेकानंद से जुड़े उनके अनुयायियों के बारे में विस्तार से बताया। कुलपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस सभागार का नाम स्वामी विवेकानंद सभागार किया जाएगा और उनकी मूर्ति भी स्थापित की जाएगी। विवेकानंद के आदर्श वाक्यों का उन्होंने वाचन किया और युवाओं से इन वाक्यों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी ने किया।

पुलिस के हत्थे चढ़े दो स्टंटबाज बाइकर्स, 14 हजार जुर्माना

सड़क सुरक्षा सतह अंतर्गत लोगों को किया जा रहा जागरूक

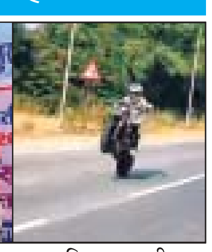

छ.ग.फ्रंटलाइन बैकुण्ठपुर। छत्तीसगढ़ शासन एवं पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देश पर 1 जनवरी से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम चलाया जा रहा है इस दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजन कर यातायात नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है हेलमेट एवं शीट बेल्ट लगाकर सीमित गति में वाहन चलाने की समझाइश दी जा रही है। पुलिस अधीक्षक रवि कुर्रे द्वारा यातायात नियमों की उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके परिपालन में यातायात पुलिस द्वारा 02 मोटर साइकिल चालक स्टंट करते पाए जाने पर कारवाही की है। दिनांक 12 जनवरी को केटीएम पल्सर मोटर साइकिल चालक निवासी जमगहना एवं सुरेंद्र कुमार पिता मोहन सिंह निवासी खुटहन पारा बैकुंठपुर के द्वारा फूलपुर चरचा नेशनल हाईवे मेन रोड में वाहन को काफी तेजी पूर्वक चलाकर स्टंट करते पाए जाने पर मौके पर ही कोरिया यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों के विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही करते हुए वाहन चालक निर्भय सिंह के विरूद्ध 9000 रुपए एवं वाहन चालक सुरेंद्र कुमार के विरोध ? 5000 का समझौता शुल्क के रूप में चालान किया गया।

इसी प्रकार वाहन में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठकर लेने का समाचार पत्र में प्रकाशित शीर्षक पर पुलिस अधीक्षक कोरिया दिशा निर्देश पर त्वरित कार्यवाही करते सोनहत पुलिस के द्वारा वाहन की पता तलाश कर वाहन चालक संत कुमार साहू पिता बेचन राम साहू निवासी कुशमहा के विरुद्ध परमिट शर्तो का उल्लंघन करना पाए जाने पर 5000 रुपए का चलानी करवाई की गई, एवं समझाइए दी गई की यातायात नियमों का पालन करें और दुर्घटना से बचें। पुलिस अधीक्षक कोरिया द्वारा स्पष्ट कहा है कि इस प्रकार की लगातार आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

विकसित भारत की नया अध्याय की शुरुआत- जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी

विकसित भारत जीरामजी जनजागरण अभियान हेतु जिला एवं मंडल टोली की घोषणा

छ.ग.फ्रंटलाइन बैकुण्ठपुर। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंहदेव के निर्देशानुसार VB-G RAM G (बी वी जी राम जी) जनजागरण अभियान हेतु कोरिया भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी द्वारा जिला स्तरीय टोली एवं मंडल स्तरीय टोली की घोषणा किया गया है। जिला स्तरीय टोली में जिला संयोजक कपिल जायसवाल, सह संयोजक ईश्वर राजवाडे, तीरथ राजवाडे, जगनारायण साहू को बनाया बनाया गया है। इसी कड़ी में मंडल स्तरीय टोली हेतु बैकुण्ठपुर मंडल में संयोजक रमन गुप्ता, सदस्य रवि त्रिपाठी, संतोष राजवाडे, हरिओम साहू, चरचा महल में संयोजक अमित कुमार, सदस्य कुण्डल साय, संजय देवांगन, राजनपाल, हसलाल कुर्रे सलका मंडल में संयोजक हंसलाल करें सदस्य रामाशंकर सिंह, रामसुंदर राजवाडे, शिव प्रसाद, कुडेली मंडल में संयोजक संतोष साहू, सदस्य अनिल साहू, बसत सिंह, जगदीश जायसवाल, पटना मंडल में संयोजक सचिदानंद द्विवेदी, सदस्य सुनिल सिंह, संतोष सिंह, सूरज राजवाडे, बचरापोडी मंडल में संयोजक राम प्रताप साहू, सदस्य श्यामनारायण जायसवाल, राम कुमार यादव, लक्ष्मी यादव एवं सोनहत महल में संयोजक सुरेश राजवाडे, सदस्य सुरेश तिवारी, अनिल जायसवाल, राजेश साहू को बनाया गया है। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने बताया कि, विकसित भारत ल-क्रू-ल बिल के राज्य स्तर पर क्रियान्वयन की रूपरेखा स्पष्ट होगी। यह योजना न केवल रोजगार बढ़ाएगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की नई गति प्रदान करेगी। भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता से प्रदेश विकसित भारत के सपने में महत्वपूर्ण योगदान देगा, जिससे हर गांव समृद्ध और हर हाथ को काम मिलेगा। यह कदम ग्रामीण जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा और देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मजबूत आधार प्रदान करेगा।

मकर संक्रांति पर गणपति धाम में होगी भव्य पतंग प्रतियोगिता

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मकर संक्रांति के अवसर पर लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना ट्रस्ट, अंबिकापुर के तत्वाधान में 14 जनवरी को प्रातः 11 बजे से भव्य पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन महामाया पहाड़ी स्थित गणपति धाम परिसर में संपन्न होगा। इस संबंध में ट्रस्ट के संयोजक एवं पार्षद जितेंद्र सोनी ने बताया कि मकर संक्रांति का पर्व सूर्य के उत्तरायण होने का प्रतीक है, जो नई ऊर्जा, सकारात्मकता और उत्साह का संदेश देता है। इस अवसर पर पतंग उड़ाने की परंपरा समाज में आपसी सौहार्द, आनंद और उल्लास को बढ़ाने का माध्यम रही है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में नगर के गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ उत्साही पतंगबाज प्रतियोगी भाग लेंगे। प्रतियोगिता के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जिसमें प्रथम पुरस्कार 3100 रुपये नकद, द्वितीय पुरस्कार 2100 रुपये एवं तृतीय पुरस्कार 1100 रुपये रखा गया है। इसके अतिरिक्त श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष शैलेष सिंह शैलू ने कहा कि मकर संक्रांति केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का प्रतीक है। पतंग उड़ाने के माध्यम से हम नई ऊंचाइयों को छूने, नकारात्मकता को पीछे छोड़ने और जीवन में उमंग एवं आशा का संचार करने का संदेश देते हैं। ट्रस्ट का उद्देश्य इस आयोजन के माध्यम से युवाओं एवं समाज के सभी वर्गों को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना है। उन्होंने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रतियोगिताओं का आयोजन, विजेता हुए पुरस्कृत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग सरगुजा द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर शहर के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम के सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी ने स्वामी विवेकानंद के विचारों के बारे में युवाओं को बताया और इसे अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक रामकुमार सिंह ने स्वामी विवेकानंद की जीवनी पर प्रकाश डाला। युवा दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों हेतु काव्य-पाठ, भाषण, रंगोली प्रतियोगिता आयोजन किया गया। अतिथियों द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार झा, पार्षद शैलेन्द्र सिंह, प्राचार्य आरएल मिश्रा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

शिवचरण साहू के भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष बने

नियुक्ति पर भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल...

छ.ग.फ्रंटलाइन बैकुण्ठपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर द्वारा नवीन कार्यकारिणी घोषणा किया गया। जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के अनुशंसा से कोरिया जिले किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष शिवचरण साहू को नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के उपरांत जिले भर के कार्यकर्ताओं व समर्थक काफी उत्साहित है। श्री साहू छात्र जीवन से ही वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् में जुड़कर छात्रों के हित में आवाज उठाते रहें। इसके बाद ग्राम पंचायत सरभोका के वार्ड क्र.-12 से लगातार दो पंचवर्षी निर्विरोध पंच बने। पूर्व में किसान मोर्चा जिला महामंत्री के पद की जिम्मेदारी निर्वहन कर चुके है, जिससे संगठन को लाभ मिला। श्री साहू के भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष बनने से निश्चित ही पार्टी को एक नई गति और मजबूती मिलेगी।

पॉलीटेक्निक कॉलेज में हुआ स्वदेशी संकल्प दौड़ एवं वस्त्र दान का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर शासकीय पॉलीटेक्निक अंबिकापुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वदेशी संकल्प दौड़ का आयोजन संस्था के वर्कशॉप परिसर में किया गया। इस दौड़ का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रप्रेम, आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी चेतना का संचार करना रहा। दौड़ में एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके पश्चात वस्त्र दान अभियान अंतर्गत शहर के पीजी कॉलेज के निकट स्थित झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र में निवासरत निर्धन परिवारों को कपड़े एवं गर्म वस्त्र वितरित किए गए। साथ ही बच्चों के लिए खिलौनों का दान किया गया, जिससे उनके चेहरों पर प्रसन्नता दिखाई दी। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य आर.जे. पांडेय के मार्गदर्शन व कार्यक्रम अधिकारी अमित कुमार बघेल के निर्देशन में हुआ।

असम के राज्यपाल से मिले खैरवार समाज के प्रतिनिधि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अपेक्स बैंक सरगुजा के अध्यक्ष रामकिशुन सिंह के नेतृत्व में खैरवार समाज के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को वाराणसी में असम के राज्यपाल महामहिम लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की। समाज के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें खैरवार समाज को भी भारत सरकार के राजपत्र में शामिल कर प्रकाशित करने का आह्वान किया गया है। इस अवसर पर खैरवार समाज के बुद्धदेव सिंह प्रांताध्यक्ष, मंगरू राम, प्रदेश सचिव, जगन्नाथ सिंह तथा गाजीपुर से विनोद खैरवार सहित समाज के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय के बीएड प्रशिक्षणार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर प्रेरणादायी शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन एवं प्राकृतिक धरोहर स्थल भेड़ाघाट ले जाया गया, यहां उन्होंने धुआंधार जलप्रपात, संगमरमर की चट्टानों और नर्मदा नदी की अद्भुत छटा का अवलोकन किया। यह भ्रमण केवल प्राकृतिक सौंदर्य के दर्शन तक सीमित न रहकर समाज, संस्कृति और जनजीवन को समझने का एक सशक्त माध्यम भी बना। कार्यक्रम का शुभारंभ एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी ने स्वामी विवेकानंद के विचारों 'उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको' का स्मरण कराते हुए किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को समाज के प्रति उत्तरदायित्व और सेवा-भाव की प्रेरणा दी गई। ट्रेन यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने समूह चर्चा, देशभक्ति गीतों और प्रेरक नारों के माध्यम से उत्साहपूर्ण वातावरण बनाया। भेड़ाघाट पहुंचते ही धुआंधार जलप्रपात की गर्जना, नर्मदा की कलकल ध्वनि ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रशिक्षकों ने स्थल की भौगोलिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं की जानकारी बीएड के प्रशिक्षणार्थियों को दी। संगमरमर की चट्टानों के बीच नौका विहार करते हुए विद्यार्थियों ने प्रकृति और मानव जीवन के सामंजस्य को नजदीक से अनुभव किया। भ्रमण का उद्देश्य समाज से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करना था। प्रशिक्षणार्थियों ने स्थानीय दुकानदारों, नाविकों, पर्यटकों, निवासियों से बात की। इस दौरान सामने आया कि भेड़ाघाट की आजीविका मुख्यतः पर्यटन पर निर्भर है। नाविकों ने पर्यटन सीजन में बढ़ती आय और ऑफ-सीजन में आने वाली कठिनाइयों के बारे में खुलकर चर्चा की। दुकानदारों ने स्वच्छता, सुरक्षा और पर्यटक सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। पर्यटकों ने बताया कि भेड़ाघाट देश-विदेश से आने वाले सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। कई पर्यटकों ने कहा कि यदि स्वच्छता, सूचना-प्रणाली और मार्गदर्शन सेवाओं को और बेहतर किया जाए तो अनुभव और भी समृद्ध हो सकता है। इस बातचीत ने प्रशिक्षणार्थियों को नागरिक सहभागिता, स्थानीय शासन और सेवा-आधारित शिक्षण के व्यवहारिक पक्षों से जोड़ा। एन.एस.एस. की भावना 'मैं नहीं आप' पूरे कार्यक्रम में परिलक्षित हुई। भ्रमण के दौरान स्वच्छता, प्लास्टिक का उपयोग कम करने और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने, जल-संरक्षण का संदेश दिया। शैक्षणिक भ्रमण मे महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा, कार्यक्रम अधिकारी रासेयो रानी रजक, सहायक प्राध्यापक सविता यादव, पूजा रानी, ज्योत्स्ना राजभर, अर्चना सोनवानी, गोल्डन सिंह, नितेश कुमार यादव एवं बीएड के प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही।

कलेक्टर ने गणतंत्र दिवस के तैयारियों का लिया जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गणतंत्र दिवस समारोह जिले में हर्षोल्लास एवं गरिमामय माहौल में मनाया जाएगा। जिला स्तरीय समारोह पीजी कॉलेज ग्राउण्ड में आयोजित होगा। कलेक्टर अजीत वसंत ने मंगलवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचकर गणतंत्र दिवस की तैयारी एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों को सौंपे गए सभी आवश्यक तैयारियों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर